www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-44 ❖ मुंबई ❖ रविवार 25 से 31 अक्टूबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

पेज 3
कंगना, बहन को नोटिस, अगले सप्ताह पुलिस ने बुलाया

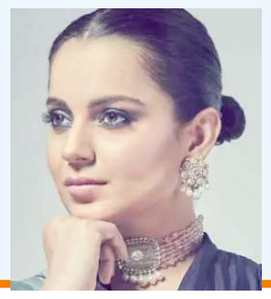

पेज 5
महबूबा के बयान पर केंद्रीय मंत्री का पलटवार

पेज 7
राजकुमार राव ने डांस शो बूगी वूगी के लिए दिया था ऑडिशन, हो गए थे रिजेक्ट

पेज 8
जो प्राप्त है, सो पर्याप्त है -पूज्य मोरारी बापू

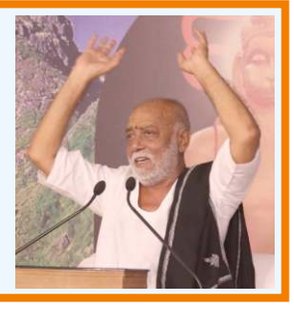

मुंबई पुलिस ने रिपब्लिक चैनल के मालिक को वॉन्टेड दिखाया, गिरफ्तारी की लटकी तलवार

- क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट ने रिपब्लिक चैनल के मालिक को वॉन्टेड दिखाया
- हिंदी चैनल न्यूज नेशन और महामूवी चैनल के मालिकों/चलाने वालों को भी वॉन्टेड दिखाया
- स केस में फख्त मराठी चैनल और बॉक्स सिनेमा के मालिक हो चुके हैं गिरफ्तार

फर्जी TRP केस में क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट ने पहली बार रिपब्लिक चैनल के मालिक और इसे चलानेवाले को वॉन्टेड दिखाया है। रिपब्लिक के मालिक के अलावा सीआईयू ने हिंदी चैनल न्यूज नेशन और महामूवी चैनल के मालिकों और चलानेवालों को भी वॉन्टेड दिखाया है।

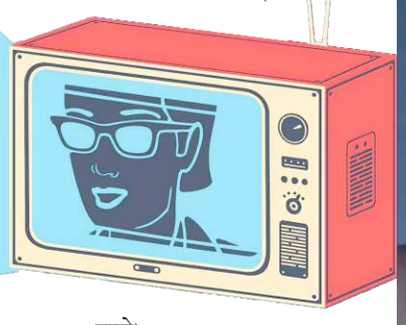

फर्जी TRP केस में क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट (CIU) ने अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया है, पर शनिवार को CIU ने पहली बार रिपब्लिक चैनल के मालिक और इसे चलानेवाले को वॉन्टेड दिखाया है। CIU ने हिंदी चैनल न्यूज नेशन और महामूवी चैनल के मालिकों और चलानेवालों को भी वॉन्टेड दिखाया है। इस केस में फख्त मराठी चैनल और बॉक्स सिनेमा के मालिक पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। अब पांच चैनल सीधे तौर पर आरोपी हो गए हैं।

यह सारा घटनाक्रम तब सार्वजनिक हुआ जब CIU ने इस केस में 20 अक्टूबर को गिरफ्तार दो आरोपियों रामजी वर्मा और दिनेश विश्वकर्मा को नई रिमांड के लिए किला कोर्ट में शनिवार को पेश किया। उसी रिमांड अप्लीकेशन में CIU ने पांच आरोपियों को वॉन्टेड दिखाया है। इसमें पहले नंबर पर अभिषेक कोलवणे का नाम है, जबकि दूसरे, तीसरे, चौथे नंबर पर रिपब्लिक, न्यूज नेशन और महामूवी चैनलों के मालिक/ चालक (यानी चलाने वाले) ऐसे शब्द लिखे गए हैं। हालांकि इनके मालिक कौन हैं, CIU ने यह सस्पेंस बरकरार रखा है।

जल्द हो सकती है गिरफ्तारी

वॉन्टेड आरोपियों की सूची में पांचवां नाम रॉकी का लिखा हुआ है। रिमांड कॉपी में रिपब्लिक व अन्य चैनलों के नाम सामने आने के बाद अब इनके मालिकों और चलानेवालों को CIU कभी भी समन भेज सकती है। चूंकि इस केस में फख्त मराठी और बॉक्स सिनेमा के मालिक गिरफ्तार हो चुके हैं। इसलिए इतना तय है कि रिपब्लिक व अन्य आरोपी चैनलों के मालिकों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।फिर कोर्ट में पेश नहीं हुए अर्णब

इससे पहले रिपब्लिक टीवी चैनल के एडिटर-इन-चीफ अर्नब गोस्वामी को चैप्टर केस में शनिवार को वरली डिविजन के एसीपी के सामने पेश होना था। वह शनिवार को एन. एम. जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर अपने उन पत्रकार साथियों के समर्थन में दिखे, जिनके खिलाफ शुक्रवार को मुंबई पुलिस की स्पेशल ब्रांच ने एफआईआर दर्ज की थी और शनिवार को आने के लिए समन भेजा था, लेकिन अर्नब खुद के खिलाफ चैप्टर केस में वरली डिविजन के एसीपी के सामने पेश नहीं हुए।

शिवसेना के साथ आई विधायक गीता जैन, भाजपा को किया राम-राम

मुंबई। भाजपा समर्थक निर्दलीय विधायक गीता जैन ने शिवसेना का दामन थाम लिया है। मुंबई से सटे मीरा भायदंर सीट से जैन भाजपा के तत्कालीन भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता को हरा कर विधानसभा पहुंची थी। जैन इसके पहले भाजपा में ही थी। मेहता को टिकट देने के खिलाफ उन्होंने पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ा और जीता था। चुनाव बाद उन्होंने भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया था। जैन ने शनिवार को मातोश्री में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात कर शिवबंधन बांध लिया।

कई लोग छोड़ना चाहते हैं बीजेपी : खडसे

मुंबई एनसीपी में शामिल होने के बाद शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पूर्व वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे ने कहा कि वह बीजेपी को दिखा देंगे कि खडसे क्या चीज है। उन्होंने कहा कि जितनी निष्ठा के साथ उन्होंने बीजेपी के लिए काम किया था, उतनी ही निष्ठा से अब वह एनसीपी के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वह दोगुनी क्षमता से अब एनसीपी के विस्तार के लिए काम करेंगे। यही नहीं, एकनाथ खडसे ने यह भी कहा कि कई लोग बीजेपी छोड़ना चाहते हैं लेकिन उन्हें यह कहकर रोक लिया जाता है कि महाराष्ट्र सरकार गिरने वाली है। हालांकि, हकीकत यह है कि सरकार नहीं गिर रही है। खडसे ने कहा, 'मैंने 40 साल तक बीजेपी में राजनीति की है, लेकिन कभी किसी की पीठ में खंजर नहीं घोंपा और न ही कभी किसी महिला का सहारा लेकर वार किया है। जो भी है, वह सीधे आमने-सामने बात करता हूं, लेकिन यहां कुछ लोग महिलाओं का सहारा लेकर वार करते हैं।' देवेंद्र फडणवीस का नाम न लेते हुए उन्होंने यह आरोप उन पर लगाए हैं। एकनाथ खडसे ने एनसीपी जॉइन करने के बाद मंच से कहा कि वह बीजेपी से भी ज्यादा सीटें चुनकर एनसीपी के लिए लाएंगे। खडसे ने कहा, 'जलगांव जिले में जितने भी जिला परिषद हैं, उनके लिए मैंने बहुत मेहनत की है और यह सब आने वाले समय में एनसीपी की हो जाएंगी।' खडसे ने कहा, 'संघर्ष मेरा स्थायी भाव है और इसी संघर्ष के बल पर मैंने बीजेपी में अपनी जगह बनाई।'इससे पहले रिपब्लिक टीवी चैनल के एडिटर-इन-चीफ अर्नब गोस्वामी को चैप्टर केस में शनिवार को वरली डिविजन के एसीपी के सामने पेश होना था। वह शनिवार को एन. एम. जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर अपने उन पत्रकार साथियों के समर्थन में दिखे, जिनके खिलाफ शुक्रवार को मुंबई पुलिस की स्पेशल ब्रांच ने एफआईआर दर्ज की थी और शनिवार को आने के लिए समन भेजा था, लेकिन अर्नब खुद के खिलाफ चैप्टर केस में

कोरोना संक्रमितों के आंकड़े हुए कम

धीरे-धीरे विदर्भ के सातों जिलों में कोरोना संक्रमितों के आंकड़ों में कमी आती जा रही है। अमरावती और यवतमाल में कोरोना संक्रमण से स्थिति लगभग नियंत्रण से बाहर होती जा रही थी लेकिन अब हालात काफी हद तक संभल चुके हैं। वहीं शनिवार को चंद्रपुर में 4, वर्धा में 3 और गड़चिरोली जिले में 2 लोगों की कोरोना से मृत्यु की खबर मिली है। चंद्रपुर जिले में पिछले 24 घंटे में 4 मरीजों ने कोरोना से जूझते हुए दम तोड़ दिया। वहीं 197 नए मरीज भी मिले हैं। जिले में अब संक्रमितों का आंकड़ा 14,584 पर पहुंच चुका है। इनमें से 11,439 लोग स्वस्थ भी हुए हैं। मृतकों की संख्या भी 217 पर पहुंच गई है। फिलहाल 2928 लोगों का इलाज चल रहा है। वर्धा जिले में पिछले 24 घंटे में 3 लोग कोरोना से जंग हार गए। 53 नए मरीज भी मिले हैं।

निजी अस्पतालों में भी 2360 रु में मिलेगा रेमडेसिवीर

मुंबई। प्रदेश के निजी अस्पतालों में इलाज कराने वाले कोरोना संक्रमित मरीजों को अब 2360 रुपए में रेमडेसिवीर इंजेक्शन मिल सकेगा। राज्य सरकार ने निजी अस्पतालों में उपचार कराने वाले कोरोना के मरीजों के लिए रेमडेसिवीर इंजेक्शन की दर तय कर दी है। राज्य भर में 59 औषधि केंद्रों पर रेमडेसिवीर इंजेक्शन मिल सकेगा। इसके लिए प्रत्येक जिले में एक औषधि केंद्र निश्चित किया गया है। अमरावती विभाग में 5, नागपुर विभाग में 6, औरंगाबाद विभाग में 11, नाशिक विभाग में 9, कोंकण विभाग में 10, बृहन्मुंबई विभाग में 5 और पुणे विभाग में 13 औषध बिक्रेता तय किए गए हैं। रेमडेसिवीर इंजेक्शन की आवश्यकता होने पर अस्पताल को प्राधिकृत अधिकारी के पास प्रस्ताव भेजना होगा। इसके साथ ही मरीज की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट, आधार कार्ड अथवा फोटोयुक्त लाइसेंस अथवा प्रमाणपत्र देना होगा। मरीज की चिकित्सा संबंधित जानकारी भी देनी होगी। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ. प्रदीप व्यास ने जिलाधिकारी, मनपा आयुक्तत को मरीजों को उचित मूल्य पर रेमडेसिवीर इंजेक्शन उपलब्ध कराने के बारे में सुनिश्चित करने के संबंध में आह्वान किया है। राज्य के सरकारी अस्पतालों में रेमडेसिवीर इंजेक्शन मुफ्त में उपलब्ध कराया जाता है लेकिन निजी अस्पतालों में इलाज कराने वाले मरीजों को रेमडेसिवीर इंजेक्शन नहीं मिलने अथवा मंहगा मिलने की शिकायतें राज्य सरकार को मिल रही थी। इसके मद्देनजर सरकार ने अब इंजेक्शन की दर तय कर दी है।

किसानों को दिवाली गिफ्ट

उद्धव सरकार की ओर से 10 हजार करोड़ का पैकेज

मुंबई। प्रदेश की महाविकास आघाड़ी सरकार ने राज्य में जून से अक्टूबर महीने के बीच अतिवृष्टि के कारण हुए नुकसान के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का पैकज देने का फैसला किया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आपदा प्रभावितों को राहत देने के लिए इस पैकेज की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास वर्षा पर राज्य मंत्रिमंडल के सहयोगी मंत्रियों के साथ आपदा प्रभावितों को राहत देने के संबंध में बैठक की। जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए शामिल हुए। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा प्रभावितों किसानों के ऑखों में आंसू नहीं होने चाहिए। इसलिए सरकार दीपावली के पहले तक मदद राशि उपलब्ध करा देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा प्रभावित किसानों के नुकसान हुए फसलों के लिए (जिरायत और बागायत क्षेत्र) प्रति हेक्टेयर 10 हजार रुपए मदद की जाएगी। किसानों को यह मदद दो हेक्टेयर क्षेत्र के लिए दी जाएगी। फलबाग के नुकसान के लिए प्रति हेक्टेयर 25 हजार रुपए दिए जाएंगे। यह मदद भी 2 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए सीमित होगी। इसके अलावा आपदा में मृत व्यक्तियों के परिजनों और मृत पशुधन, घर के ढहने के लिए मदद का प्रावधान पैकेज में किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के मापदंडों के अनुसार आपदा प्रभावित किसानों को 6 हजार 800 रुपए की मदद का प्रावधान है लेकिन यह राशि कम होने के कारण राज्य सरकार ने मदद राशि बढ़ाकर प्रति हेक्टेयर 10 हजार रुपए देने का फैसला किया है। वहीं फलबाग के लिए दिए जाने वाले प्रति हेक्टेयर 18 हजार रुपए की राशि को बढ़ाकर 25 हजार रुपए की गई है। यह अब तक की सबसे बड़ी मदद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं इमानदारी से स्वीकार करता हूं कि साल 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई अतिवृष्टि में मैंने किसानों को प्रति हेक्टेयर 25 हजार रुपए की मदद देने की मांग की थी। लेकिन उस समय केंद्र सरकार के पास राज्य का जीएसटी का बकाया नहीं था और कोरोना संकट की स्थिति नहीं थी। केंद्र से 38 हजार करोड़ रुपए नहीं मिले मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को केंद्र सरकार से अभी तक अपने अधिकार का 38 हजार करोड़ रुपए नहीं मिल पाया है। राज्य सरकार ने केंद्र से निसर्ग चक्रवात की मदद के लिए 1065.58 करोड़ रुपए मांगा था। अगस्त में पूर्व विदर्भ में बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए 800.88 करोड़ रुपए मांगे थे। इसके अलावा जीएसटी का बकाया पैसा मांगा है। केंद्र सरकार को मदद और बकाया राशि के लिए बार-बार पत्र भेजा जा रहा है लेकिन अभी तक केंद्र सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं केंद्र सरकार पर आरोप नहीं लगा रहा हूं। मैं जनता के सामने तथ्य रख रहा हूं। केंद्र को भेदभाव किए बिना हर प्रदेश को मदद करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन करके मदद का आश्वासन दिया था। यदि जरूरत पड़ी तो मदद राशि के लिए मैं प्रधानमंत्री से मुलाकात करूंगा। 30 हजार करोड़ रुपए की मदद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नई सरकार बनने के बाद विभिन्न आपदा और किसानों की कर्ज माफी को मिलाकर अभी तक लगभग 30 हजार 800 करोड़ रुपए की मदद की गई है। फडणवीस कोंचिंग ठीक से करें विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस की ओर से केंद्र सरकार से मदद मिलने के दावे पर मुख्यमंत्री ने निशाना साधा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे नहीं मालूम है कि फडणवीस की कौन से कक्षा के लिए कोंचिंग लगाई गई है। लेकिन उनकी पढ़ाई शुरू हुई होगी, तो उन्हें अच्छे से कोंचिंग करना चाहिए। जिससे उनका अध्ययन ठीक से होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पर आरोप कर जनता का पेट नहीं भरा जा सकता है। वहीं फडणवीस ने कहा कि उद्धव ने मुख्यमंत्री बनने से पहले किसानों को प्रति हेक्टेयर 25 हजार रुपए की मदद की मांग थी लेकिन अब मुख्य मंत्री बनने के बाद उन्होंने यू टर्न ले लिया है।

स्मार्टफोन की चमक

महामारी से लड़ाई के क्रम में लागू की गई पूर्णबंदी के बाद पिछले करीब छह महीने के दौरान अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई। कुछ आवश्यक वस्तुओं को छोड़ दिया जाए, तो ज्यादातर वस्तुओं की मांग और खपत कम हुई। लेकिन इस बीच एक अहम खबर यह आई है कि बाजार में स्मार्टफोन के कारोबार में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। बाजार शोध कंपनी कैनालिस की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जुलाई से लेकर सितंबर के बीच स्मार्टफोन की बिक्री आठ फीसद तक बढ़ी है। महज तीन महीने की अवधि में करीब पांच करोड़ नए स्मार्टफोन बिके। भारत में किसी एक तिमाही में इतने ज्यादा स्मार्टफोन बिकने का यह अब तक का सर्वोच्च स्तर है। माना जा रहा था कि चीन से तनाव और दूसरे कारोबारी मसलों की वजह से चीन में बने मोबाइल फोन की बिक्री में भी गिरावट आएगी। लेकिन अब जो आंकड़े आए हैं, उससे साफ है कि चीन से तनाव का वहां निर्मित मोबाइलों की खरीदारी के निर्णय पर कोई फर्क नहीं पड़ा। बल्कि स्मार्टफोन के बाजार में सभी चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी करीब छिहत्तर फीसद रही।

इसके अलावा, बाजार के लिए ही आंकड़े जुटाने वाली कंपनी टेकआर्क ने अपनी एक रिपोर्ट में अगले दो महीने में स्मार्टफोन की बिक्री में छत्तीस फीसद तक वृद्धि का अनुमान जताया है।

गौरतलब है कि पूर्णबंदी लागू होने के बाद शुरुआती कुछ समय तक बाकी सभी व्यवसायों की तरह मोबाइल की बिक्री पर भी विपरीत असर पड़ा था। जून में एक रिपोर्ट में यह बताया गया था कि स्मार्टफोन की बिक्री में बीस फीसद तक की गिरावट आएगी, क्योंकि मांग में भारी कमी के मद्देनजर इसकी आपूर्ति भी कम हुई। जाहिर है, समूचे देश में जब पूर्णबंदी सख्ती से लागू थी, तब लगभग सभी आर्थिक गतिविधियां ठप्प पड़ी थीं और आमदनी बंद या कम होने की वजह से लोगों के सामने अपना खर्च कम करने की मजबूरी थी। इस वजह से बहुत सारे लोगों ने तब जरूरत के बावजूद कुछ वस्तुओं को खरीदना टाल दिया था। लेकिन पूर्णबंदी में राहत के साथ जैसे-जैसे आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने की दिशा में बढ़ रही हैं, लोगों की आय के स्रोत खुल रहे हैं, वैसे-वैसे स्मार्टफोन की बिक्री में इजाफा हुआ है। लेकिन इसका कारण जितना आर्थिक है, उससे ज्यादा यह हुआ है कि ऐसी बहुत सारी जरूरतें इंटरनेट और स्क्रीन पर आधारित होती जा रही हैं, जिन्हें पूरा करना स्मार्टफोन या कंप्यूटर के बिना संभव नहीं है। मसलन, पिछले सात महीने से स्कूल-कॉलेज बंद हैं। शिक्षण संस्थानों में नियमित पढ़ाई बाधित होने की स्थिति में एक विकल्प यह निकाला गया कि विद्यार्थियों को आॅनलाइन पढ़ाया जाए। मगर ई-लर्निंग विकल्प में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों के घर में इंटरनेट सहित कंप्यूटर या फिर स्मार्टफोन अनिवार्य है। ऐसे में बड़ी तादाद में लोगों ने अपने दूसरे खर्चों में कटौती करके भी अपने बच्चों के लिए स्मार्टफोन खरीदे। इसके अलावा, कई कंपनियों ने अपने आॅनलाइन मंचों का दायरा और व्यापक किया है और वे लोगों को घर बैठे कोई जरूरत का सामान या फिर अन्य सुविधा मुहैया कराने का आश्वासन दे रही हैं। फिर कई ऐसे क्षेत्र भी हैं, जिनमें सुविधाओं का इस्तेमाल केवल आॅनलाइन या इंटरनेट पर निर्भर है। यही वजह है कि लघु-कंप्यूटर की तरह उपयोग में आने वाले स्मार्टफोन की बिक्री में काफी तेजी आई है। मगर सवाल है कि महामारी के आलोक में बन रही एक तरह की नई व्यवस्था में जैसे रोजी-रोजगार के अवसर फिलहाल कम हुए हैं और ज्यादातर चीजें इंटरनेट आधारित होती जा रही हैं, उसमें अभाव से दो-चार परिवारों के लिए क्या और कैसी जगह बचेगी!

रैली में रेला

संजय शर्मा

जब बिहार विधानसभा और संसद तथा कुछ विधानसभाओं में उपचुनावों की घोषणा की गई, तब कोरोना संक्रमण के मद्देनजर कई लोगों ने इस पर विरोध जताया था। मगर निर्वाचन आयोग ने भरोसा दिलाया था कि चुनाव प्रचार और मतदान के वक्त इस संक्रमण से बचाव संबंधी सभी सावधानियां बरती जाएंगी। मतदान केंद्रों पर उचित दूरी का पालन करना अनिवार्य होगा। वहां हाथ धोने और सेनेटाइजर आदि की व्यवस्था होगी। मगर अब जब चुनाव प्रचार की सरगर्मी है, सारे नियम-कायदों की धज्जियां उड़ती नजर आ रही हैं। रैलियों में भारी भीड़ जमा हो रही है। प्रत्याशी नाक और मुंह ढंके बगैर प्रचार करते देखे जा रहे हैं। उनके साथ चलती समर्थकों की भीड़ भी ऐसी ही मनमानी करती देखी जा रही है। इसी का नतीजा है कि वहां के तीन बड़े नेता कोरोना संक्रमित हो गए। वे अस्पताल में भर्ती हैं। इस पर स्वाभाविक ही निर्वाचन आयोग ने सख्त रुख जाहिर किया है। उसने कहा है कि चुनाव प्रचार और रैलियों के दौरान अगर प्रत्याशी दो गज दूरी के नियम का पालन नहीं करेंगे, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निर्वाचन आयोग की इस सख्त हिदायत के एक दिन पहले प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा था कि किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। जब तक कोरोना की दवाई नहीं आ जाती, तब तक कोई ढिलाई न बरतें, क्योंकि खतरा अभी टला नहीं है। पिछले कुछ सालों में जिस तरह

चुनाव प्रचार के दौरान बढ़-चढ़ कर भीड़ जुटाने और इस तरह अपनी ताकत प्रदर्शित करने का चलन बढ़ा है, उसमें उचित दूरी जैसे नियमों की अवहेलना हैरान नहीं करती। पार्टियों के बड़े नेताओं की रैलियों में तो विशाल जनसभा दिखाने के मकसद से किराए के श्रोता भी जुटाने की प्रवृत्ति पनप चुकी है। बिहार यों भी राजनीतिक रूप से सजग प्रांत माना जाता है, इसलिए दूसरे प्रांतों की अपेक्षा वहां के मतदाता कुछ अधिक रैलियों में रेला बन कर जुटते हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में भी वही उत्साह बना हुआ है। फिर जबसे पूर्णबंदी हटी है, बहुत सारे लोगों ने जैसे मान लिया है कि कोरोना का भय समाप्त हो गया है और वे पुराने ढर्रे पर चल पड़े हैं। हाट-बाजारों में तो भीड़भाड लगाने ही लगे हैं, रैलियों में भी जुटने लगे हैं। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की चिंता समझी जा सकती है। मगर सवाल है कि रैलियों आदि में महामारी संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी होनी चाहिए। कोरोना को फैलने से रोकने संबंधी उपायों को आजमाने के मामले में बिहार में पहले ही काफी लापरवाही बरती जा चुकी है। इसके चलते वहां संक्रमण तेजी से फैला। इसके बावजूद लोगों में इसे लेकर सावधानी बरतने की फिक्र नहीं है, तो इसे विडंबना ही कहा जा सकता है। नियम-कायदों का पालन सुनिश्चित कराने की पहली जिम्मेदारी राजनीतिक दलों की होनी चाहिए। उन्हें अपनी रैलियों में उमड़ी भीड़ को देख कर इतराने की जगह चिंतित होना चाहिए कि इस तरह अगर लोग कोरोना की चपेट में आए, तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आखिर अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं की सेहत की फिक्र तो उनको होनी ही चाहिए। उन्हें लोगों से अपील करनी चाहिए कि भीडभाड़ से दूर रहें, घर बैठे सुरक्षित रह कर अपना समर्थन दें। जनसभावों में भीड़ के जरिए अपनी ताकत के प्रदर्शन का मोह त्याग कर जब तक यह भाव राजनीतिक दलों में नहीं आएगा, निर्वाचन आयोग की हिदायत का शायद ही उन पर कोई असर पड़े।

समोसे में आलू भी है और बिहार में लालू भी

सुरेश देसाई

वर्ष 1990 में बिहार में जनता दल की जीत के पीछे बेशक वीपी सिंह का करिश्मा था, लेकिन मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने में लालू प्रसाद यादव की अपनी जोड़तोड़ रंग लाई थी। लालू प्रसाद यादव वीपी सिंह की पसंद नहीं थे। वीपी तो राम सुंदर दास को मुख्यमंत्री बनवाना चाहते थे, अजित सिंह भी वीपी की इस मुहिम में उनके साथ थे, लेकिन लालू यादव खुद के अलावा बिहार में किसी और को मुख्यमंत्री बनते नहीं देखना चाहते थे।

उस वक्त जनता दल ऊपर से तो देखने में एक था, लेकिन उसके अंदर कई पावर सेंटर थे। लालू ने अपने लिए पहले देवीलाल का समर्थन जुटाया, फिर चंद्रशेखर भी उनके साथ आ गए। देवीलाल ने शरद यादव और मुलायम सिंह यादव को भी लालू के समर्थन में कर लिया। इस दबाव में वीपी सिंह इस नतीजे पर पहुंचे थे कि मुख्यमंत्री का चुनाव विधायकों के वोट के जरिए होगा। इसी बीच रघुनाथ झा भी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार बनकर सामने आ गए।कहा तो यह जाता है कि झा की उम्मीदवारी लालू की रणनीति का हिस्सा थी। खैर लालू यादव अपने मुकाबिल राम सुंदर दास और रघुनाथ झा से ज्यादा विधायकों का समर्थन जुटाने में कामयाब रहे। शुरुआती दिनों में तो लालू की कोशिश मुख्यमंत्री बनाने में सहयोग करने वाले अलग-अलग पावर सेंटर्स को खुश करने में ही दिखी, लेकिन राम मंदिर के समर्थन में रथ यात्रा पर निकले लालकृष्ण आडवाणी को बिहार में गिरफ्तार कर लेने के बाद लालू यादव एक नए अवतार में सबके सामने थे। सेकुलरिज्म के प्रतीक के रूप में। इस दरम्यान उन्होंने एक नारा दिया था, जब तक समोसे में आलू रहेगा, बिहार में लालू रहेगा। यानी अब वे बिहार में अपने स्थायित्व को लेकर हद दर्जे तक मुतमईन थे।

लालू ही चुनाव का मुद्दा

बिहार की पॉलिटिक्स में लालू एक करिश्मा बनकर उभरे थे, लेकिन हर करिश्मे का एक अंत होता है। लालू के साथ भी वही हुआ। पिछले 15 वर्षों से (20 महीने की एक छोटी सी अवधि को अगर छोड़ दिया जाए, जब उनकी पार्टी नीतीश कुमार के साथ सरकार में साझेदार थी) वे बिहार की सत्ता से बाहर चल रहे हैं और वर्ष 2017 से जेल में भी बंद हैं। लेकिन संयोग यह कि 2020 के चुनाव में भी लालू ही मुद्दा बने हुए हैं। सत्तारूढ़ एनडीए

का पूरा चुनावी अभियान लालू प्रसाद यादव के खिलाफ केंद्रित है। एनडीए और खासतौर पर नीतीश कुमार अपने 15 साल की उपलब्धियों को लेकर जनता में जाने के बजाए 90 से 2005 के लालू प्रसाद यादव के राजकाज को मुद्दा बनाए हुए हैं। यही यह जाहिर करता है कि लालू प्रसाद यादव आज भी बिहार में मुद्दा हैं और एनडीए को सत्ता तक पहुंचने के लिए लालू यादव को पार करना ही होगा।

लालू यादव की अगर आज की तारीख में कोई प्रासांगिकता नहीं होती, तो नीतीश कुमार को उनके खिलाफ अपने चुनावी अभियान को केंद्रित करने की जरूरत भी नहीं होती। बिहार की पॉलिटिक्स में लालू के समोसे में आलू की मानिंद होने का सबूत भी यही है कि विपक्ष जब नीतीश कुमार को उनके 15 साल के शासन पर जवाबदेही के फ्रंट पर लाना चाहता है, तो सत्तारूढ़ दल की तरफ से यह स्थापित करने की कोशिश की जा रही है कि अगर लालू की सत्ता आ गई तो फिर से 'जंगलराज' की वापसी हो जाएगी। होना तो यह चाहिए था कि लालू कोई चुनावी मुद्दा ही नहीं होते। 15 साल का वक्त इतना लंबा होता है कि सत्तारूढ़ दल को 15 साल के रिपोर्ट कार्ड और अगले पांच साल के विजन के साथ चुनाव मैदान में होना चाहिए था। शायद यह एक नए बिहार की ओर बढ़ता कदम होता।

खुद को बदलना होगा

वैसे जिस 'नए बिहार' का एक लंबे वक्त से सपना देखा जा रहा है, उसके लिए खुद 'बिहार' को बदलना होगा। यह उम्मीद बेमानी होगी कि बाहर से कोई जादू की छड़ी लेकर आएगा, घुमाएगा और बिहार रातों-रात बदल जाएगा। बिहार के नेताओं को यह मालूम है कि मुद्दों को आगे करके यहां चुनाव नहीं जीते जा सकते। यहां चुनाव जीतने के लिए जाति-धर्म का समीकरण बैठाना ही होगा।

लालू यादव एक वक्त बिहार के करिश्माई चेहरा बनकर सिर्फ इसलिए उभरे थे कि उन्होंने जीत का 'माई' (मुस्लिम-यादव) समीकरण तैयार कर लिया था। और यह समीकरण उस वक्त तक अजेय रहा, जब तक कि बीजेपी और जेडीयू ने अपर कास्ट और मोस्ट बैकवर्ड क्लास का नया समीकरण तैयार नहीं कर लिया। इसके बाद बिहार की पॉलिटिक्स पिछले तीन दशकों से इसी समीकरण के इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसा नहीं कि यह केवल बिहार में हो रहा है, लेकिन बिहार में इसकी जड़ें कुछ ज्यादा गहरी हैं। इस वजह से बिहार के पिछड़ेपन से बाहर आने की कोशिशें परवान नहीं चढ़ पा रही हैं। 'नए बिहार' की कल्पना तभी साकार हो सकती है, जब जेहनियत में भी बदलाव आए। जाति-धर्म के मकड़जाल से बाहर निकलकर मुद्दों पर आधारित पॉलिटिक्स को तरजीह देनी होगी।

यह सवाल हो सकता है कि यह नसीहत सिर्फ बिहार को ही क्यों? बदलाव के लिए शुरुआत तो किसी को करनी ही होगी। बेहतर होगा कि यह शुरुआत बिहार से हो। जो राज्य बरसों से पिछड़ेपन का दंश झेलता आया हो, वह देश के लिए एक मिसाल बने और बदलाव की राजनीति का नेतृत्व करे। अगर ऐसा नहीं होता है तो बिहार उसी ढर्रे पर चलता रहेगा, जैसा चल रहा है। नेताओं को इस बात की कोई फिक्र नहीं होगी कि उनकी कोई जवाबदेही भी है। उनकी प्राथमिकता जीत के समीकरण बैठाने तक ही सीमित होगी।

कैसी हो पुलिस, समाज तय करे

भूपेन्द्र पटेल

टेलीविजन रेटिंग प्वॉइंट्स (टीआरपी) घोटाले की आंच अब उत्तर प्रदेश तक पहुंच गई है। राज्य सरकार की सिफारिश पर हजरतगंज (लखनऊ) पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले को सीबीआई के हवाले कर दिया गया है। टीआरपी में यदि गड़बड़ी हुई है, तो यह वाकई गंभीर अपराध है और अपराधियों को कानून के मुताबिक सजा मिलनी ही चाहिए। मगर इस घोटाले के दो अन्य पहलू भी हैं, जिन पर ज्यादा ध्यान दिए जाने की जरूरत है। पहला पहलू मीडिया की आजादी से जुड़ा है, तो दूसरा, कानून लागू करने वाली एजेंसियों के कामकाज से। इन एजेंसियों में पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई जैसी तमाम संस्थाएं शामिल हैं।

मीडिया अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर खुद को स्वतंत्र मानता है। इस मौलिक अधिकार का जिक्र संविधान के अनुच्छेद-19 में है। मगर 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने के कुछ महीनों बाद ही यह महसूस किया जाने लगा था कि इस अधिकार को लोग असीमित मानने लगे हैं। इसीलिए 1951 में खुद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पहला संविधान संशोधन विधेयक लेकर आए, जिसमें कहा गया कि सार्वजनिक हित में मौलिक अधिकारों पर पाबंदी लगाई जा सकती है। नेहरू का कहना था कि ये बेशक सांविधानिक अधिकार हैं, लेकिन देश की सुरक्षा व सामाजिक हित के लिए एक सीमा के बाद इन अधिकारों पर पाबंदी जरूरी है।

जब किसी एक का मौलिक अधिकार दूसरे व्यक्ति के अधिकार को प्रभावित करे, तो उस पर बंदिश लगनी ही चाहिए। नेहरू ने ये बातें मीडिया के संदर्भ में नहीं कही थीं, पर आज ये उस पर कहीं ज्यादा सटीक बैठ रही हैं। उनकी बातों का अर्थ यही था कि मौलिक अधिकार और उनके इस्तेमाल के बीच एक संतुलन आवश्यक है।

दुर्भाग्य से, यही संतुलन आज बिगड़ता दिख रहा है। संविधान सभी से यह अपेक्षा करता है कि लोग उन कानूनों का पालन करेंगे, जो संविधान-विरोधी नहीं हैं। मगर जब ऐसा नहीं होता, तो पुलिसिंग शुरू हो जाती है। पुलिसिंग और पुलिस एजेंसी, दोनों अलग-अलग अवधारणाएं हैं, इसे एक समझने की भूल कतई न करें। पुलिसिंग एक व्यापक विचार है, जिसमें कानून लागू करने वाली प्रक्रिया के सभी अंग आते हैं। यह दो तरह की होती है, आंतरिक और बाहरी। मीडिया के मामले में प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया, न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन या सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन जैसी संस्थाएं आंतरिक तौर पर रेग्यूलेट, यानी विनियमन का काम करती हैं। जबकि बाहरी पुलिसिंग का काम कानून लागू करने वाली एजेंसियों के जिम्मे है। अभी दिक्कत यह है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर मौलिक अधिकारों का जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल नहीं हो रहा, जिस कारण बाहरी पुलिसिंग की जरूरत बढ़ती दिख रही है। मगर सवाल यह है कि जिसे यह जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, वह एजेंसी इसके लिए कितनी तैयार है?

बेशक पुलिस कानून लागू करने वाली एकमात्र एजेंसी नहीं है, मगर आम धारणा में यह उसी का दायित्व माना जाता है। इसकी बड़ी वजह यह है कि अपने यहां पुलिस सरकार का हिस्सा है, जबकि अमेरिका, जापान जैसे तमाम देशों में यह एक स्वायत्त संस्था है। इसी कारण अपने यहां पुलिस का सदुपयोग कम, दुरुपयोग ज्यादा दिखता है। इतना ही नहीं, अपने यहां पुलिस की जिम्मेदारी दोहरी प्रवृत्ति की है। वह नियुक्ति, तबादला, सेवा निवृत्ति जैसे कामों के लिए सरकार व राजनेताओं पर निर्भर है, जबकि कानून लागू करने के वास्ते न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह है। यह एक ऐसा भंवरजाल है, जिससे भारतीय पुलिस चाहकर भी नहीं निकल पा रही। पुलिस की इसी दोहरी प्रकृति का लाभ सरकार उठाती है। बाबरी मस्जिद ध्वंस इसका एक बड़ा उदाहरण है। 6 दिसंबर, 1992 को जब आयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराई गई थी, तब आनन-फानन में वहां के तत्कालीन डीएम और एसएसपी को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन आज की तारीख में कानूनन कोई राजनेता या कोई इंसान इस घटना का कुसूरवार नहीं है।

जाहिर है, लोकतंत्र में पुलिस के माध्यम से शासन करने का तरीका गलत है। स्थिति यह है कि आज पुलिस-प्रशासन को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष की अपनी-अपनी दलीलें हैं। जो आज सत्ता में है, वह विपक्ष में जाने पर वही भाषा दोहराता है, जो आज विपक्षी दल बोल रहे होते हैं। पुलिस सैद्धांतिक तौर पर 'एजेंसी ऑफ लॉ' (कानून लागू करने वाली संस्था) होती है, पर असलियत में उसे 'रूलर्स एजेंसी' (शासकों की एजेंसी) बना दिया गया है। नतीजतन, आज पुलिस जो कुछ भी करती है, हर किसी को यही लगता है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे शख्स के इशारे पर वह हो रहा है। अब 'अपराधी और पुलिस के गठजोड़' जैसी बातें बेमानी हो चुकी हैं। इससे भी खतरनाक गठजोड़ 'पुलिस और राजनेता' का बन चुका है। लिहाजा समाज को ही यह सोचना होगा कि उसे कैसी पुलिस चाहिए? मीडिया से अपेक्षा होती है कि वह समाज को इस बाबत जागरूक करेगा, लेकिन दुखद है कि उसे भी पूरी जानकारी नहीं है।

आजकल हम यह चर्चा तो खूब करते हैं कि अपने यहां एक लाख की आबादी पर सिर्फ 144 पुलिसकर्मी हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र कम से कम 222 पुलिसकर्मियों की वकालत करता है। मगर हम अपने समाज की प्रकृति पर बहस नहीं करना चाहते। स्वीडन में पुलिस की उतनी जरूरत नहीं होती। नॉर्वे, डेनमार्क जैसे देशों में भी नाममात्र के पुलिसकर्मी दिखेंगे। इसका अर्थ है कि उन समाजों को पुलिसिंग के लिए पुलिस की उतनी जरूरत नहीं है। लोग खुद-ब-खुद नियम-कानूनों का पालन करते हैं। आदर्श स्थिति भी यही है कि समाज में पुलिस का कम से कम दखल हो, लेकिन अपने यहां हालात उलट हैं।

सन1980 के आसपास जब मैं मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) में तैनात था, तब स्थानीय लोग यह पूछने भी आते थे कि वे त्योहार मनाएं कि नहीं? ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्हें अपने आसपास सीआरपीएफ या केंद्रीय बल की तैनाती नहीं दिखती थी। वे आश्वस्त होना चाहते थे कि सब ठीक-ठाक रहेगा। मानो, त्योहार इन टुकड़ियों को मनाना हो, उन्हें नहीं!

साफ है, एक जागरूक समाज ही अच्छी पुलिसिंग की व्यवस्था कर सकता है। मगर दुर्भाग्य से हमारा समाज इसके लिए तैयार नहीं है, और पुलिस भी उत्तरोत्तर शासन का हिस्सा बनती जा रही है, जिससे होने वाली गड़बड़ियां हमारे सामने हैं। हमें यह मान लेना चाहिए कि जब पुलिस को राजनीतिक पार्टी का हिस्सा बना दिया जाएगा, तब सदुपयोग से ज्यादा उसके दुरुपयोग होंगे।

CID ने 24 और आरोपियों को किया गिरफ्तार, अब तक 178 की हुई अरेस्टिंग

पालघर, महाराष्ट्र पुलिस के अपराध जांच विभाग ने बुधवार को पालघर मॉब लिंचिंग मामले में 24 और लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं कोर्ट में आज 70 आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई भी होनी है। साधुओं की हत्या के मामले में अब तक सीआईडी ने 178 लोगों को गिरफ्तार किया है और तीन एफआईआर दर्ज की हैं।

पालघर जिले के गडचिनचले गांव में 16 अप्रैल को दो साधुओं समेत तीन लोगों को भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। साधुओं की हत्या के इस मामले ने पूरे देश में सियासत तेज कर दी थी। महाराष्ट्र सरकार पर विपक्ष हमलावर हो गया था।

दो नाबालिग समेत 128 गिरफ्तार

सीएम उद्धव ठाकरे ने इस केस की जांच सीआईडी को दी थी। सीआईडी अब तक पालघर मॉब लिंचिंग केस में तीन एफआईआर दर्ज कर चुकी है। एफआईआर में 208 नए आरोपियों के नाम शामिल किए गए थे। अब तक कुल 178 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। 178 आरोपियों में दो नाबालिग हैं।

अब तक बनाए गए कुल 366 आरोपी सीआईडी के वकील अमृत अधिकारी ने बताया कि इस मामले में कुल आरोपियों की संख्या 366 हो गई है। इन 366 आरोपियों में से 11 नाबालिगों के नाम भी शामिल हैं। बुधवार को गिरफ्तार किए गए नए आरोपियों को सीआईडी गुरुवार को दहानू कोर्ट में पेश करेगी।

पालघर हत्याकांड क्या है?

16 अप्रैल को जूना अखाड़े के चिकने महाराज कल्पवृक्षगिरि (70), उनके सहायक सुशीलगिरि महाराज (35) और उनके ड्राइवर नीलेश तेलगड़े (30) की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। भीड़ में लगभग 500 लोग शामिल थे। बताया जाता है कि भीड़ ने पुलिस पर भी हमला बोला था। पुलिस की गाड़ी तोड़ दी गई और साधुओं की पत्थरों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। 800 लोगों से हुई पूछताछ 11000 पन्नों की चार्जशीट

जांच के दौरान सीआईडी ने 800 संदिग्ध लोगों से पूछताछ की और उनके बयान दर्ज किए। 100 से ज्यादा लोगों को चश्मदीद गवाह बनाया गया है। दो चार्जशीट में एक चार्जशीट 5 हजार पन्नों की है, वहीं दूसरी चार्जशीट में कुल 6000 पेज हैं। कुल 11 हजार पेज की चार्जशीट बुधवार को दहाणु कोर्ट में दाखिल की गई है। नाबालिगों के खिलाफ केस जुवेनाइल कोर्ट में चलेगा।

कंगना, बहन को नोटिस, अगले सप्ताह पुलिस ने बुलाया

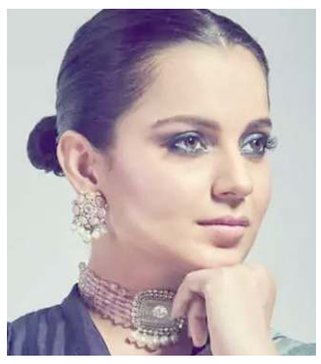

मुंबई, बांद्रा पुलिस ने फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत और उनकी बहन रंगोली को नोटिस भेजा है और उन्हें अगले हफ्ते पुलिस के सामने पेश होने को कहा है। कोर्ट के आदेश के बाद पिछले सप्ताह दोनों के खिलाफ आईपीसी के सेक्शन 154 ए, 295 ए, 124 ए और 34 के तहत मामला दर्ज हुआ था। जिस याचिकाकर्ता की अर्जी पर कोर्ट ने यह आदेश दिया था, उसका आरोप है कि अभिनेत्री बीते दो महीने से अपने ट्वीट और टेलिविजन पर इंटरव्यू के जरिए बॉलिवुड को बदनाम कर रही हैं। याचिकाकर्ता के अनुसार, 'उनकी बहन ने भी दो धार्मिक समूहों के बीच साम्प्रदायिक तनाव फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।' रिकॉर्ड में मौजूद दस्तावेजों और याचिकाकर्ता के वकील की दलील को देखते हुए अदालत ने पाया कि अभिनेत्री ने 'संज्ञेय अपराध' किया है। इसी के बाद अदालत ने बांद्रा पुलिस स्टेशन को आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के संबंधित प्रावधानों के तहत अभिनेत्री और उनकी बहन के खिलाफ जांच करने और आवश्यक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया था।

महाराष्ट्र में खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस

महाराष्ट्र के नंदुरबार इलाके में एक बस खड्ड में गिर गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

नंदुरबार, महाराष्ट्र के नंदुरबार में बुधवार को एक भयानक हादसा हो गया। यहां यात्रियों से भरी एक बस खाई में गिर गई, जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 35 लोगों के घायल होने की खबर है, जिन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया है। इनमें से कई यात्रियों की हालत गंभीर है। मौके पर बचाव कार्य जारी हैं। नंदुरबार के एसपी महेंद्र पंडित ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसा नंदुरबार के खामचुंदर गांव में हुआ। बस यात्रियों को लेकर मलकापुर से सूरत जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में खड्ड में जा गिरी। हादसे में ड्राइवर और क्लीनर की भी मौत हो गई। इसके अलावा तीन अन्य यात्रियों की भी जान चली गई। हादसे में 35 लोग घायल रिपोर्ट्स के मुताबिक 35 यात्री हादसे में घायल हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मौके पर बचाव कार्य अभी जारी है।

एनआईए ने प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन के गिरफ्तार 8 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट में दावा किया है कि इस संगठन को सालाना ढाई से तीन करोड़ रुपये का चंदा मिलता है। एनआईए ने इस फंडिंग का स्रोत भी गवाहों के बयानों के आधार पर चार्जशीट में दर्ज किया है।

चार्जशीट में NIA का दावा- प्रतिबंधित माओवादी संगठन को मिली सालाना 3 करोड़ की फंडिंग

मुंबई, एल्गार परिषद मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 8 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। अपनी चार्जशीट में जांच एजेंसी ने प्रतिबंधित माओवादी संगठन (सीपीआई-एम) को मिलने वाली फंडिंग, हथियारों के स्रोत तथा उनके संचार के नेटवर्क्स का विवरण भी दर्ज किया है। चार्जशीट के मुताबिक, माओवादी संगठन को महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जोन में सालाना 2.5-3 करोड़ रुपये की फंडिंग मिली है। इन फंड्स का इस्तेमाल माओवादी गतिविधियों के लिए किया जाता है।

कारोबारियों-आदिवासियों से टैक्स वसूली

फंडिंग के कथित स्रोतों के बारे में जानकारी देते हुए एक गवाह ने एनआईए को बताया कि सीपीआई (माओवादी) के सदस्य आदिवासियों और कॉन्ट्रैक्टर्स से टैक्स वसूलते हैं। तेंदू पत्ते के प्रत्येक बैग पर उन्हें 350 रुपये का टैक्स माओवादियों को देना होता है। इसके अलावा माओवादी संगठन के सदस्य सड़क ठेकेदारों से जंगल टैक्स भी वसूलते हैं। आदिवासी इलाकों के ग्रामीण अपनी कमाई से सालाना कुछ न कुछ माओवादियों को दान करते हैं।

सुरक्षाबलों से लूटते हैं हथियार

एक अन्य गवाह ने बताया कि माओवादी बांस के कारोबारियों से भी टैक्स वसूलते हैं। इसके अलावा कस्बाई इलाकों के दुकानदार भी सीपीआई (माओवादी) को फंड उपलब्ध कराते हैं। चार्जशीट में

माओवादियों के हथियारों के स्रोतों के बारे में भी विवरण दिया गया है। बताया गया कि माओवादी सुरक्षाबलों द्वारा लूटे गए हथियारों और गोला-बारूदों का इस्तेमाल करते हैं। एक गवाह ने बताया कि इसके अलावा पार्टी के सदस्य अवैध खनन कारोबारियों से जिलेटिन खरीदते हैं और सोडा-सल्फर का कॉम्बिनेशन मिलाकर विस्फोटक तैयार करते हैं।

संचार के लिए चिट्ठी और वॉकी-टॉकी

इसके अलावा कैल्शियम-अमोनियम नाइट्रेट मिलाकर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाते हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच संदेशों के आदान-प्रदान के लिए वॉकी-टॉकी या चिट्ठियों का इस्तेमाल किया जाता है। बात करने के लिए मोबाइल फोन्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता लेकिन डेटा डाउनलोड करने या फिर इमेल्स अपलोड करने के लिए ही फोन का इस्तेमाल किया जाता है। चार्जशीट में बताया गया है कि कभी-कभार नक्सली संगठन बातचीत के लिए मिलिशिया के फोन्स का इस्तेमाल करते हैं।

असली नाम का इस्तेमाल नहीं

माओवादी संगठन में सदस्य एक-दूसरे का असल नाम नहीं लेते हैं। हर किसी के लिए एक छद्म नाम होता है। वे आपस में इसी नाम से एक-दूसरे को पुकारते हैं। चार्जशीट में बताया गया है कि फरार आरोपी मिलिंद तेलतुंबड़े का छद्मनाम 'साहिल' था, जिससे उनके साथी उन्हें बुलाते थे। माओवादी संगठन के कथित आंतरिक कामकाज के बारे में जानकारी देने वाले एक अन्य गवाह ने एनआईए को बताया कि कबीर कला मंच के गिरफ्तार किए दो आरोपियों रमेश गाइचोर और सागर गोरखे ने साल 2012 में गढ़चिरौली के जंगलों का दौरा किया था। गवाहों ने दावा किया कि अर्बन सीपीआई (माओवादी) के रूप में 20 दिन के अपने प्रवास के दौरान उन्हें फिजिकल ट्रेनिंग दी गई। इसके अलावा उन्हें हथियारों के इस्तेमाल का भी बुनियादी प्रशिक्षण दिया गया था।

1000 किलो चांदी जब्त

नवी मुंबई, पुणे से मुंबई के तरफ जा रहे टेंपो से एक हजार किलो चांदी नवी मुंबई पुलिस ने बरामद की है। सूत्रों के अनुसार नवी मुंबई पुलिस को जानकारी मिली थी कि पुणे से एक टेंपो जीएसटी चोरी कर एक हजार किलो चांदी लेकर मुंबई की तरफ जा रहा है।

सूचना के आधार पर डीसीपी सुरेश मेंगडे ने वाशी पुलिस के साथ गुरुवार रात को वाशी टोल नाके पर जाल बिछाया। इस दौरान टेंपो आते ही रोका गया और उसकी तलाशी लिए जाने पर चांदी बरामद की गई। वाहन सहित चांदी जब्त कर पुलिस ने चालक से पूछताछ शुरू कर दी है। खबर लिखे जाने तक मामले की जांच जारी थी।

'ऑपरेशन क्लीन' की कार्रवाई में गांजा सप्लायर गिरफ्तार

पीआई ने जाल बिछाया और उक्त जगह से गफ्फार खान को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 12 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसका मूल्य 2 लाख, 40 हजार रुपये है।

मुंबई, मुंबई पुलिस की ऐंटि नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने 55 वर्षीय एक आरोपी गफ्फार खान को 12 किलो गांजा के साथ मानखुर्द इलाके से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गफ्फार वर्षों से ड्रग्स की खरीद-बिक्री करने वाले गिरोह के लिए काम करता था। एएनसी की आजाद मैदान यूनिट के पीआई सुनील जाधव को मानखुर्द के सोरट नाका के पास गांजा के साथ एक आरोपी के आने की खबर मिली थी। पीआई ने जाल बिछाया और उक्त जगह से गफ्फार खान को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 12 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसका मूल्य 2 लाख, 40 हजार रुपये है। घाटकोपर यूनिट ने इससे पहले भी 2006 में ड्रग्स डीलर गफ्फार के खिलाफ कार्रवाई की थी।

NCP में शामिल होकर बोले एकनाथ खडसे, 'मेरे पीछे ED लगाई तो मैं इनकी CD जारी कर दूंगा'

बीजेपी के नेता एकनाथ खडसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। एनसीपी में शामिल होने के बाद खडसे ने कहा कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय की जांच की धमकी दी गई थी।

मुंबई, भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देने वाले महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे शुक्रवार को एनसीपी में शामिल हो गए। एनसीपी में शामिल होने के बाद खडसे ने आरोप लगाया कि केंद्र की सरकार ने उन्हें ईडी का डर दिखाते हुए धमकी दी। खडसे ने कहा कि अगर इन लोगों ने मेरे पीछे ईडी लगाई तो मैं इनकी सीडी जारी कर दूंगा। हालांकि खडसे ने यह नहीं बताया कि वह किसकी और कौन सी सीडी के बारे में बात कर रहे हैं।

महाराष्ट्र बीजेपी के पूर्व नेता एकनाथ खडसे की बेटी और जलगांव जिला बैंक के अध्यक्ष रोहिणी खडसे भी इस मौके पर बीजेपी को छोड़कर एनसीपी में शामिल हो गईं। एनसीपी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में पार्टी प्रमुख शरद पवार की मौजूदगी में प्रदेशाध्यक्ष जयंत पाटील ने एनसीपी का दुपट्टा पहनाकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर एनसीपी के कई बड़े नेता और उत्तर महाराष्ट्र के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।

एनसीपी ने कहा- पार्टी को मिलेगी मजबूती

एनसीपी नेताओं ने खडसे का पार्टी में स्वागत करते हुए उम्मीद व्यक्त की कि उनके आने से पार्टी को और ज्यादा मजबूती तथा सफलता मिलेगी। एकनाथ खडसे ने भी एनसीपी को यह भरोसा दिलाया कि जितनी मेहनत उन्होंने बीजेपी के लिए की थी, उससे ज्यादा मेहनत वह एनसीपी के लिए करेंगे और पूरी ईमानदारी से एनसीपी की ताकत बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

हनीमून पैकेज के बहाने रिश्तेदार ने बैग में रखी ड्रग्स

कतर की जेल में सजा काट रहा है मुंबई का कपल

मुंबई, मुंबई के एक कपल ने कभी सपने में नहीं सोचा होगा कि हनीमून पर जाना उनके लिए बुरे सपने के जैसा होगा। खाड़ी के देश कतर पहुंचते ही उन्हें ड्रग्स स्मगलिंग के लिए गिरफ्तार कर लिया गया और वे एक साल से जेल में हैं। कपल को हनीमून ऑफर करने वाली एक रिश्तेदार ने ही उनके सामान में चार किलो नशीला पदार्थ रख दिया था।

नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) मुंबई के इस निर्दोष दंपति शरीक और ओनिबा को बचाने और उसे कतर से भारत लाने की कोशिश में लगा हुआ है। यह दंपति हनीमून पर दोहा गया था। आरोप है कि महिला की एक रिश्तेदार ने उनके बैग में ड्रग्स रख दिया। एनसीबी के जोनल डायरेक्टर केपीएस मल्होत्रा का कहना है कि 6 जुलाई 2019 को शरीक और ओनिबा को दोहा के हमाद अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया।

जेल में ही बच्ची का हुआ जन्म

दूर देश की पुलिस ने उनके पास से 4.1 किलो हशीश जब्त किया। वहां दोनों पर मुकदमा चला और उन्हें दस साल की सज़ा सुना दी गई। वहां जेल में ही उनकी बेटी का जन्म हुआ। ओनिबा के पिता को इस बात का विश्वास था कि उनकी बेटी और दामाद पूरी तरह निर्दोष हैं। इसलिए पिता शकील अहमद कुरैशी ने NCB के बड़े अधिकारियों से पिछले साल 27 सितंबर को मुलाकात की और पूरी बात बताई। पिता ने कहा कि जो ड्रग्स कतर में जब्त की गई, उसके पीछे ओनिबा/ शरीक की चाची तबस्सुम रियाज़ कुरैशी और उसके साथी निज़ाम कारा का दिमाग है। पिता ने दंपति के निर्दोष होने के संबंध में NCB अधिकारियों को कुछ दस्तावेज दिए। साथ ही एक ऑडियो क्लिप भी दी।

भारत लाने की कोशिश में NCB

इसके बाद एनसीबी ने तबस्सुम और निज़ाम के खिलाफ ट्रैप लगाया। 22 दिसंबर 2019 को दोनों को नागपाड़ा से गिरफ्तार किया। दोनों के पास 13 ग्राम कोकीन जब्त की गई। उसी दौरान 26 फरवरी 2020 को एनसीबी ने चंडीगढ़ में भी चार लोग पकड़े। सभी के पास से डेढ़ किलो चरस मिला। इन सभी आरोपियों ने भी कबूल किया कि वे सब निजाम कारा के सिंडिकेट से जुड़े हुए हैं। जब यह सब साबित हो गया कि निजाम कारा के कहने पर तबस्सुम ने धोखे से अपनी रिश्तेदार ओनिबा के बैग में ड्रग्स रखी, तो एनसीबी ने निर्दोष ओनिबा और उसके पति शरीक को भारत वापस लाने की कोशिशें तेज कर दी हैं।

लोकल में अनुमति: दूसरे दिन दिखा महिलाओं में उत्साह

मुंबई में रेलवे प्रशासन को टिकट काउंटर पर पिछले सात महीनों में पहली बार इतनी भीड़ दिखी कि नियंत्रण करने के लिए आखिरकार आरपीएफ का सहारा लेना पड़ा। लोकल ट्रेनों में एक निश्चित अवधि के लिए महिलाओं को अनुमति मिलने के बाद दूसरे दिन ऐसा नजारा लगभग हर बड़े स्टेशन पर देखने को मिला। दूसरे दिन की भीड़ देखकर रेलवे का अंदाजा है कि करीब 60-70 हजार महिला यात्री बढ़ी हैं।

कामकाजी महिलाओं को आराम

सरकार ने पहले ही अतिआवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को लोकल में आनेजाने की अनुमति दे दी थी, लेकिन ऐसे कई सेक्टर्स थे, जिनमें कामकाजी महिलाओं को मजबूरन एसटी और बेस्ट की बसों से यात्रा करनी पड़ती थी। खासतौर से जवेरी बाजार और जूलरी के बड़े शो रूम हों या ब्यूटी और पार्लर उद्योग से जुड़ी महिलाएं, उन्हें हर रोज वक़्त पर पहुंचना जरूरी होता है। त्योहारों का सीजन होने के कारण जूलरी शो रूम्स में थोड़ी भीड़ बढ़ने लगी है। एक नामी शो रूम से जुड़ी महिलाओं ने बताया कि जूलरी उद्योग से जुड़ी महिलाओं को सरकार नजरअंदाज कर रही थी, लेकिन अब अनुमति मिल गई है। स्नेहल गुप्ता ने बताया कि रोजाना पांच से छह घंटे यात्रा में खर्च हो रहे थे। परिवार को वक़्त नहीं दे पा रही थी और नौकरी भी नहीं गंवानी थी, लेकिन अब यात्रा की कोई टेंशन नहीं। शॉपिंग करने के लिए जुटी भीड़ मुंबई के भूलेश्वर मार्केट, कालबादेवी और क्रॉफर्ड मार्केट का इलाका महिलाओं के लिए शॉपिंग की जन्नत है। ट्रेनों में अनुमति नहीं होने के कारण अब तक इन इलाकों में कोई खास रोनक नहीं थी। अब यहां के दुकानदारों के चेहरों पर भी चमक लौटने लगी है, क्योंकि महिलाएं अब ट्रेनों से यात्रा कर सकती हैं। भूलेश्वर में बिंदी और कंगन बेचने वाले राजकुमार धुरिया बताते हैं कि अब ग्राहक समय पर पहुंच सकती हैं, लेकिन उन जैसे दुकानदारों को अब भी बस से ही सफर करना पड़ेगा। पेनल्टी देने को तैयार लोकल ट्रेनों में बेटिकट पकड़े जाने पर शुरुआती स्टेशन से अंतिम स्टेशन का किराया और ₹250 रुपये की पेनल्टी देनी पड़ती है। ये सेकंड क्लास के लिए है। भूलेश्वर मार्केट के कई दुकानदार अब रोजाना पेनल्टी कटाकर आते हैं। एक दुकानदार ने बताया कि वे भीड़ के वक़्त जैसे-तैसे ट्रेन में घुस जाते हैं। इस दौरान रेलवे का मुख्य ध्यान QR code पर होता है। यह कोड जिसके पास नहीं होता है, उसे लौटा दिया जाता है लेकिन जैसे-तैसे एंट्री मिल जाए, तो काम बन जाता है। इस तरह के यात्रियों को काउंटर से टिकट नहीं मिलता है। इसलिए अब वे बिना टिकट यात्रा कर रहे हैं। दुकानदार ने बताया कि यदि दस में से दो बार पकड़े जाएं, तो भी घाटा नहीं है क्योंकि विरार से भूलेश्वर आने के लिए 200-250 रुपया खर्च करने पड़ते हैं। प्राइवेट गार्ड और वकीलों के लिए मांग महिलाओं को अनुमति मिलने के बाद अब राज्य सरकार ने निजी सुरक्षा गार्ड को वैध पहचान पत्र और यूनिफॉर्म के साथ ट्रेनों में यात्रा की अनुमति मांगी गई है। इसके साथ ही विभिन्न कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों के लिए भी लोकल में यात्रा की अनुमति मांगी गई है। रेलवे के अनुसार, राज्य द्वारा प्राप्त होने वाली मांगें रेलवे बोर्ड को भेज दी जाती हैं।

अब पूरी क्षमता के साथ दौड़ेंगी बेस्ट की बसें, कोई भी कर सकता है यात्रा

मुंबई, मुंबई शहर की दूसरी लाइफलाइन मानी जाने वाली मुंबई की बेस्ट बस सेवा में अब पूरी क्षमता के साथ सवारियों को बैठाने की अनुमति दे दी गई है। अब तक कोरोना महामारी की वजह से सीमित संख्या में ही लोगों को बस में यात्रा करने की अनुमति थी। सिर्फ विशेष सेवाओं वाले लोगों के लिए थी बस सेवा कोरोना महामारी की वजह से जब लॉकडाउन में कुछ ढिलाई बरती गई। तब बेस्ट की बसों में सिर्फ आवश्यक सेवाओं से जुड़े हुए लोगों को ही यात्रा करने की अनुमति दी गई थी। उस समय लोगों ने आम जनता के लिए भी यात्रा की अनुमति मांगी थी। फिलहाल बेस्ट की 2700 बसें ही सड़कों पर अपनी सेवाएं दे रही हैं। जिनके जरिए तीन से चार लाख मुसाफिर रोज यात्रा करते हैं। सरकार के इस फैसले के बाद बाकी बसें भी चलना शुरू हो जाएंगी। जिससे लोगों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। बेस्ट ने मांगी थी अनुमति

बेस्ट प्रशासन ने महाराष्ट्र सरकार से यह इजाजत मांगी थी कि उन्हें पूरी क्षमता के साथ बसों को संचालित करने की अनुमति दी जाए। बेस्ट ने अपने पत्र में लिखा था कि सड़क पर यात्रियों की भारी भीड़ है। ऐसे में ज्यादा बसों को चलाना अनिवार्य हो गया है। इस मांग को सरकार ने स्वीकारते हुए यह इजाजत दी है। कोविड की गाइडलाइन्स का करना होगा पालन देश भर में सबसे ज्यादा कोरोना के मामले महाराष्ट्र में सामने आए थे और अभी भी लगातार इन आंकड़ों का बढ़ना शुरू है। राज्य में अब तक 1.62 मिलियन कोरोना मरीज सामने आ चुके हैं। गनीमत की बात यह है कि अब मुंबई में और राज्य में कोरोना मरीजों का रिकवरी रेट भी तेजी से बढ़ रहा है। बेस्ट बस में यात्रा करने के लिए आपको कोविड-19 की नियम और शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा। यात्रा के दौरान मुंह पर मास्क लगाना अनिवार्य होगा और पास में सैनिटाइजर भी होना जरूरी है। इसके अलावा बेस्ट की बसों को समय-समय पर सैनिटाइज करना भी जरूरी होगा।

आयुर्वेद का पुराना नुस्खा है चंदन का तेल, इन 5 तरीकों से निखारता है खूबसूरती

सदियों से खूबसूरती को बनाए रखने के लिए चंदन का उपयोग हो रहा है। चंदन का पाउडर ही नहीं इसका तेल भी हमें खूबसूरत बनाता है। यहां जानिए चंदन से जुड़ी वो बातें जो आजतक आपने शायद सुनी भी ना हों। हम लोगों के लिए चंदन का मतलब सिर्फ लाल चंदन और सफेद चंदन होता है। लेकिन आपको जानकर आश्चर्य हो सकता है कि दुनियाभर में 12 तरह का चंदन पाया जाता है। आयुर्वेद में चंदन के तेल और पाउडर का उपयोग सदियों से होता रहा है। यह सेहत और सुंदरता दोनों के लिए बहुत फायदेमंद है।

इस तरह सुंदरता बढ़ाता है चंदन

चंदन के पाउडर तेल और इसकी लकड़ी में ऐसे 125 कंपाउंड्स होते हैं, जो हमारी स्किन को खूबसूरत बनाने का काम करते हैं। ये हमारी स्किन के डैमेज सेल्स को रिपेयर करते हैं यानी त्वचा की कोशिकाओं को तंदरुस्त बनते हैं। यही वजह है कि चंदन का इस्तेमाल दुनिया के हर कोने में बननेवाले ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में किया जाता है।

चंदन की खूबी है यह

चंदन प्राकृतिक तौर पर ठंडक प्रदान करनेवाला प्रॉडक्ट है। यही वजह है कि इसका लेप त्वचा पर लगाने से ना केवल त्वचा की जलन शांत होती है बल्कि इसकी खूशबू से मानसिक शांति भी मिलती है। इसलिए अगर आप अपने चेहरे पर चंदन का लेप या तेल लगाते हैं तो आपको आयदिन होनेवाले सिरदर्द से राहत मिलेगी।

गुस्सा शांत करने में मददगार

जिन लोगों को गुस्सा अधिक आता है, उन्हें चंदन का टीका लगाने की सलाह दी जाती है। क्योंकि हमारी बॉडी में उपस्थित 7 चक्रों में से एक और बहुत पॉवरफुल चक्र हमारी दोनों आइब्रोज के बीच में स्थित होता है। यानी वह जगह जहां हम टीका लगाते हैं। इस चक्र को आज्ञाकारी चक्र कहते हैं। यहां चंदन लगाने से हमारे मन और ब्रेन पर इसकी शीतलता का सीधा फायदा पहुंचता है।

दूर करे आंखों की थकान

हम अक्सर अपने ब्यूटी संबंधित आर्टिकल्स में आपसे कहते हैं कि चेहरे का मुख्य आकर्षण आंखें होती हैं और दूसरा नंबर मुस्कान का आता है। अगर आंखें थकी हुई और बोझिल दिखेंगी तो चेहरे का पूरा आकर्षण खराब हो जाएगा। इसलिए आंखों के आस-पास की त्वचा को सुंदर बनाने के लिए आप चंदन पाउडर को शहद में मिलाकर लेप बनाएं और लगा लें।

ऐसे करता है काम आंखों पर काम

चंदन और शहद का लेप आंखों की नाजुक त्वचा को नमी और ठंडक देता है। शहद जहां स्किन को मॉइश्चराज करता है ताकि वहां ड्राईनेस की वजह से झुर्रियां ना पड़ें और स्किन लूज ना हो, वहीं चंदन पाउडर आंखों को ठंडक देते हुए डैमेज स्किन सेल्स को रिपेयर करने का काम करता है। साथ ही इसकी खूशबू नाक और ब्रेन की सेल्स को रिलैक्स करती है।

पिंपल्स और ऐक्ने हटाता है

चंदन पाउडर में ऐंटिबैक्टीरियल गुण होते हैं। ये स्किन पर किसी भी तरह के बैक्टीरिया को ऐक्टिव नहीं होने देते। पोर्स को क्लीन रखते हैं और स्किन का ऐक्सट्रा ऑइल सोखकर इसे ऑइल फ्री रखने में मदद करते हैं। इससे चेहरे पर ऐक्ने और पिंपल की समस्या नहीं होती है और

सोनल झालावाड़िया

आपकाा चेहरा खिला-खिला रहता है।

दादी मां के नुस्खों का हिस्सा

चंदन पाउडर और चंदन का तेल केवल आयुर्वेद या चाइनीज मेडिकल ट्रीटमेंट में ही नहीं यूज होता है बल्कि भारत में पीढ़ियों से चंदन का उपयोग सुंदरता और शीतलता के लिए किया जाता है। यही वजह है कि हमारे यहां भगवान का श्रृंगार भी चंदन के बिना अधूरा रहता है। वैसे क्या आपको पता है कि शिवजी को चंदन का टीका क्यों लगाया जाता है? ताकि विष पीने के बाद उनके शरीर में हो रही जलन शांत हो सके। बस समझ जाइए कि स्किन और मन पर कैसे असर करता है चंदन...।

आंखों के आस-पास की स्किन को हेल्दी रखने के ये हैं 2 अचूक तरीके

आंखों के आस-पास की स्किन बेहद नाजुक और सेंसेटिव होती है। धूप, पलूशन और थकान का असर हमारे शरीर पर सबसे पहले आंखों के आस-पास की इसी स्किन पर नजर आता है। सेंसेटिव होने के कारण आंखों की स्किन पर उम्र का असर भी सबसे पहले देखता है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी आंखें हमेशा फ्रेश दिखें और उम्र या स्ट्रेसफुल लाइफ का असर इन पर हावी ना हो तो आप ये दो अचूक तरीके अपना सकते हैं...आलू का पैकआंखों की नाजुक स्किन पर आमतौर पर पैक लगान के लिए ब्यूटी एक्सपर्ट्स मना करते हैं। लेकिन बात जब खूबसूरती से जुड़े दादी मां के नुस्खों की आती है तो आंखों के लिए आलू के पैक का नाम सबसे पहले आता है। आलू में स्टार्च, पोटैशियम और विटमिन-सी काफी मात्रा में होता है। ये तीनों ही खूबियां हमारी आंखों की नाजुक स्किन को रिवाइव करती हैं। विटमिन-सी और पोटैशियम डैमेज स्किन सेल्स को रिपेयर करने में मदद करते हैं। साथ ही स्टार्च स्किन को कसावट देता है और डेड सेल्स को रीमूव करने में मदद करता है।

ऐसे लगाएं आलू का पैक

खास बात यह है कि आलू का पैक बनाने के लिए आपको आलू के सिवा कुछ और नहीं चाहिए। आप आलू को छील लें, उसे कद्दूकस में बारीक तरफ से कस लें और कसे हुए आलू को उठाकर उसे बॉल की तरह बना लें। अब इस बॉल से आंखों के आस-पास की त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें। मात्र 10 मिनट की मसाज करें और फिर 10 मिनट के लिए इसके रस को आंखों के पास लगा छोड़ दें। इसके बाद ताजे पानी से धो लें और कोई भी अपनी रेग्युलर फेस क्रीम लगा लें।

इतने दिन में दिखेगा असर

आंखों डलनेस पर मात्र दो दिन में असर दिखेगा। वहीं अगर आपको डार्क सर्कल हैं तो 7 दिन में और झाइयां हैं तो 10 दिन के अंदर आप फर्क महसूस करेंगे। यह फर्क इतना अधिक होगा कि आपके फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स भी नोटिस करेंगे और आपसे

पूछेंगे कि आखिर आपने कैसे इतनी जल्दी अपनी स्किन को क्लीन बना लिया।

टी बैग्स का यूज

ग्रीन-टी या ब्लैक-टी पीने के बाद आप बचे हुए टी बैग्स को फेंके नहीं।

बल्कि इन्हें ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें। जब ये चिल्ड हो जाएं तो इन्हें फ्रिज से निकालकर किसी प्लेट में 5 मिनट के लिए रखा छोड़ दें। इससे इनकी ठंडक थोड़ी कम हो जाएगी और स्किन पर रखने लायक टैंप्रेचर में आ जाएंगे।

अब रखें आंखों पर

अब आप एक-एक टी बैग अपनी दोनों आंखों पर रखकर करीब 15 मिनट के लिए लिए लेट जाइए। ये टी-बैग्स आपकी आंखों को ठंडक पहुंचाकर तनाव दूर करने का काम करेंगे। साथ ही आंखों के डार्क सर्कल और फाइन लाइन्स को दूर करेंगे। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, टी-बैग्स में मौजूद कैफीन आंखों के आस-पास की ब्लड वैसल्स को सिकोड़ने का काम करते हैं, जिससे यहां कि स्किन टाइट और खूबसूरत बनी रहती है।

पतला होने में मदद करता है देसी घी और ऑलिव ऑइल में बना खाना

बहुत ज्ञान देते हैं लोग...बस एक बार कह दीजिए कि आप अपना वजन घटाना चाहते हैं...कसम से झड़ी लग जाएगी सलाह और टिप्स की। ये खाइए, वो मत खाइए। इतना खाना काहिए, इस-इस वक्त खाए, वगैरह... वगैरह... क्योंकि वजन घटाने की बात पर सबका फोकस केवल और केवल खाने पर होता है। कोई यह नहीं बताता कि खाना बनाने के लिए किस तेल का इस्तेमाल करें ताकि आपका वजन बढ़ने की संभावना बहुत कम हो जाए...

तेल का पड़ता है असर जिस तेल में हम खाना बनाते हैं, उसका भी हमारे वेट को बढ़ाने, घटाने या मेंटेन रखने में बड़ा रोल होता है। जैसे सोयाबीन का तेल, मूंगफली का तेल , तिल का तेल या अलग-अलग तरह के रिफाइंड और घी। इन सभी की अलग-अलग प्रॉपर्टीज होती हैं और हमारे शरीर पर इनके असर भी अलग-अलग होते हैं। लेकिन अगर आप ऐसा खाना पकाना चाहते हैं, जो आपकी भूख मिटाने के साथ ही आपका वेट घटाने में भी मदद करे तो आपको ऑलिव ऑइल का चुनाव करना चाहिए।

कैसे वजन घटाता है ऑलिव ऑइल?

आपने अब तक यह तो पढ़ा होगा कि ऑलिव ऑइल स्किन और बालों के लिए बहुत अच्छा रहता है। लेकिन हम आपको बता रहे हैं कि ऑलिव ऑइल वेट लॉस में भी मददगार है। दरअसल हेल्थ एक्सपर्ट्स और डायटीशियन्स का मानना है कि जब हम हाई सैचुरेटेड डायट छोड़कर मोनो अनसैचुरेटेड डायट लेने लगते हैं तो हमारा वजन कुछ हद तक कंट्रोल करने में मदद मिलती है। फिर भले ही आप इस दौरान अपनी खाने में कैलरीज की मात्रा पहले जितनी ही बनाए रखें। इसलिए एक्सपर्ट्स के अनुसार ऑलिव ऑइल और देसी घी कुकिंग के लिए सबसे बेहतरीन ऑप्शन्स हैं। देसी घी और ऑलिव ऑइल में हाई स्मोकिंग पॉइंट होता है। यानी वह स्तर पर जिस पर ये स्मोक जनरेट करते हैं इनकी यही खूबी इन्हें फूड फ्राइंग के लिए बेस्ट बनाती है। साथ ही कार्ब्स की जगह मोनो अनसैचुरेटेड फैट लेने का मतलब होता है कि आपके पेट को जल्दी भूख का अहसास नहीं होगा। क्योंकि कार्ब्स की तुलना में फैट को पचाने में अधिक वक्त लगता है। यानी आपको कैलरी तो पूरी मिलती रहेगी लेकिन आपका वेट कंट्रोल में बना रहेगा।

तो आज से तय कर लीजिए कि खुद को और अपने परिवार को हेल्दी रखने के लिए आप देसी घी और ऑलिव ऑइल में बना खाना ही खाएंगे। अमेरिकन हार्ट असोसिएशन के अनुसार, एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑइल अधिक आंच पर खाना पकाने के लिए बेस्ट ऑइल है। हालांकि अनेक रिसर्च में यह बात भी साबित हो चुकी है कि तिल का तेल, सरसों तेल और सन फ्लॉवर ऑइल तीनों ही कुकिंग के लिए बेस्ट ऑइल्स में शामिल हैं। क्योंकि हमारा शरीर इन ऑइल्स को आसानी से पचा पाता है।

सुबह उठते ही खाली पेट गुड़ खा कर पिएं गर्म पानी, दूर होंगे ये ६ रोग

सुबह उठते ही कई लोग अपने दिन की शुरुआत सीधे चाय के साथ करते हैं। खाली पेट चाय पीना शरीर के लिये नुकसनदायनक हो सकता है। मगर क्या आप जानते हैं कि बासी मुंह अगर चाय के बजाए गरम पानी और गुड का सेवन किया जाए तो यह कितना फायदा पहुंचाता है।

आयुर्वेद की मानें तो गुड़ और गरम पानी का कॉम्बीनेशन शरीर में शक्ति भरता है और लंबी बीमारी से राहत दिलाता है। गुड़ और गरम पानी का सेवन सुबह उठते ही बिना ब्रश किये करना चाहिये, तभी इसका असर दिखाई देगा।

यहां जानें इसके अनमोल फायदों के बारे में...

वजन कम करने में लाभकारी

गुड़ चीनी का एक उत्कृष्ट विकल्प है। यह पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी 1, बी 6 और विटामिन सी में समृद्ध है, जो अतिरिक्त कैलोरी जलाने में मदद करता है। आप इसका सुबह उठ कर या फिर रात को सोने से पहले गर्म पानी के साथ कर सकते हैं।

पेट से संबंधित समस्याएं

यदि आप पेट की समस्याओं जैसे गैस और कब्ज से पीड़ित हैं, तो गर्म पानी के साथ गुड़ के दो टुकड़े लें।

यह शरीर में पाचन प्रक्रिया को भी तेज करता है, जिससे व्यक्ति को प्रतिदिन सुबह मल त्यागने में आसानी होती है। यह शरीर में मौजूद पाचन एंजाइमों को बढ़ाकर भोजन के उचित पाचन में भी मदद करता है।

नींद न आए तो करें गुड का सेवन

सुबह उठते ही गर्म पानी के साथ गुड़ खाने पर शरीर में हैप्पी हार्मोन को बढ़ावा मिलता है।

सदियों से, गुड़ अनिद्रा के इलाज के लिए एक बेहतरीन घरेलू उपचार रहा है।

स्किनकेयर होम रेमेडी के लिए बढ़िया

अगर आप मुंहासे और झाइयों से परेशान हैं तो खाली पेट गुड़ को गर्म पानी के साथ खाएं और जल्द फर्क देखें।

यह एक बेहतरीन क्लींजर है और त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है। यह उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने में भी मदद करता है।

गुर्दे की पथरी दूर करे

यदि गुर्दे की पथरी ने आपका जीवन बेहाल कर दिया है तो बस गुड़ के साथ गर्म पानी पीना शुरू कर दें। यह पत्थरों को तोड़ने में मदद करता है।

शरीर की इम्यूनिटी बढाए

गुड़ में ढेर सारा एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल होता है जो फ्री रैडिकल के डैमेज से बचा कर इंफेक्शन से लड़ता है। गुड़ खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा को भी बढ़ाता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह धनलाभ अच्छा रहेगा। यदि कहीं पैसा निवेश कर रखा है तो उससे बड़ा प्रॉफिट मिल सकता है। कॅरियर में आगे बढ़ने के मौके आएंगे। संपत्ति विवादों का निपटारा होगा। दांपत्य जीवन में कुछ टकराहट आ सकती है। सेहत के मामले में सावधान रहें। खानपान की आदतों में सुधार लाएं। बच्चों और बुजुर्गो की सेहत का ध्यान रखें।

वृषभ : पिछले हफ्तों में आपने जो भी प्रयास किए हैं, उनका फल इस सप्ताह मिल सकता है। कॅरियर के मामलों में बड़े फैसले ले सकते हैं, हालांकिइनमें किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें। दांपत्य जीवन के लिए सप्ताह अच्छा है। पारिवारिक समागम का अवसर आएगा। सप्ताह में खर्च की अधिकता रहेगी, लेकिन अच्छी बात यह है कियह खर्च शुभ कार्यो पर ही होगा।ँ।

मिथुन : आपके फैसलों को सर्वत्र सराहना मिलेगी। आपके जीवन में कुछ नए लोगों का पदार्पण होगा, वे आपको भविष्य में बेहद सपोर्ट करने वाले हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। आपके गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे जो आपके कार्य में अड़चन डालने की कोशिश करेंगे। इसलिए अपनी कार्ययोजनाएं गुप्त रखेंगे तो लाभ में रहेंगे।

कर्क : इस सप्ताह अधिक मेहनत की जरूरत है। काम को टालने की प्रवृत्ति छोड़ें। पैतृक संपत्ति संबंधी कार्यो का निपटारा हो सकता है। परिवार में कोई शुभ काम हो सकता है। बिजनेस को आगे बढ़ाने की योजना पर काम करेंगे। विद्यार्थी वर्ग अपना कॅरियर चुनने में सावधानी रखें। सेहत के प्रति सतर्क रहें।

सिंह : पारिवारिक मामलों में कुछ विवादों की स्थिति बन रही है। आपको संयम रखते हुए अपने क्रोध और वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। सप्ताह में भागदौड़ भी अधिक होगी। खासकर संतान पक्ष के कार्यो को लेकर यहां-वहां दौड़ना पड़ सकता है। कार्य की अधिकता रहेगी। कुछ मानसिक कष्ट आ सकते हैं, इसलिए धैर्य रखें।

कन्या : नौकरीपेशा जातक कार्य में परिवर्तन या स्थानांतरण के दौर से गुजरेंगे। भूमि, भवन खरीदने, बदलने के योग हैं। इस सप्ताह में अच्छी बात यह है किखर्च में कमी आएगी, जिससे बचत होगी। पुराने अटके हुए कार्य इस सप्ताह पूरे होने के योग हैं। बौद्धिक कार्यो से जुड़े लोगों को कोई सम्मान मिल सकता है।

तुला : पुराने साथियों, मित्रों, रिश्तेदारों से मुलाकात का योग बन रहा है। इस राशि की महिलाओं को कोई तोहफा मिल सकता है। अविवाहितों के लिए समय अनुकूल है, विवाह का प्रस्ताव मिलेगा। धन प्राप्ति ठीक होगी। एक से अधिक साधनों से आय प्राप्त होगी। सेहत संबंधी थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है।

वृश्चिक : पारिवारिक जीवन के लिए सप्ताह सुखद रहेगा। परिवार में चल रहे मनमुटाव दूर हो जाएंगे। घर-परिवार में कोई धार्मिक-मांगलिक कार्य होगा। नौकरीपेशा लोगों को इस सप्ताह प्रमोशन, वेतनवृद्धि मिल सकती है। विद्यार्थियों को विदेशों की कंपनियों से जॉब के अच्छे ऑफर आएंगे।

धनु : इस सप्ताह आधे-अधूरे मन से कोई काम शुरू ना करें। सप्ताह आपके अनुकूल है, यदि कुछ अच्छा करना चाहते हैं तो देर न करें। पारिवारिक मामलों में जीत आपकी होगी। कॅरियर के प्रति चिंतित युवाओं को इस सप्ताह कोई अच्छी खबर मिल सकती है। दांपत्य जीवन में चली आ रही परेशानियों का अंत होगा।

मकर : विद्यार्थियों को कॅरियर में, नौकरीपेशा को जॉब में और व्यापारियों को अपने-अपने क्षेत्र में कई अच्छे मौके मिलेंगे। जो लोग नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं वे जरूर करें, सफलता मिलेगी हालांकिइस काम के लिए आपको फंड की जरूरत पड़ सकती है। पारिवारिक और दांपत्य जीवन में चल रहे मनमुटाव दूर होंगे।

कुंभ : स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, जरूर करें, सफलता मिलेगी। पारिवारिक स्थिति में इस सप्ताह कोई ऐसी घटना हो सकती है, जिससे आपको मानसिक तनाव महसूस होगा, लेकिन संयम और धैर्य रखेंगे तो सब परेशानी स्वतः समाप्त हो जाएगी। दांपत्य जीवन के लिए सप्ताह अच्छा बीतेगा।

मीन : नया सप्ताह सतर्क होकर चलने का रहेगा। इस सप्ताह मनमुताबिक सफलता मिलने में संदेह रहेगा। मानसिक रूप से थोड़ा अनमना सा अनुभव करेंगे। हालांकिकुछ आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह शुभ है। आय में वृद्धि के संकेत हैं। प्रेमी-प्रेमिकाओं को इस सप्ताह रिश्तों में और करीब आने का मौका मिलेगा।

पत्नीः अगर मैं मर गई तो तुम क्या करोगे?
पतिः शायद मै भी मर जाऊं।
पत्नीः क्यों?
पतिः कभी-कभी ज्यादा खुशी भी जानलेवा होती है।

पति का पत्नी को मेसेजः मेरी सैलरी ज्यादा हो गई है, अगले महीने तुम्हें सोने की अंगूठी लाकर दूंगा।
पत्नी का रिप्लाईः ओ माय गॉड, सच्ची?
पतिः नहीं, मैं तो चेक कर रहा था कि नेटवर्क सही हुआ या नहीं?

सुरेशः भाई मेरे फोन का बिल बहुत ज्यादा आया है, इतनी तो मैंने बात भी नहीं की।
कस्टमर केयरः अच्छा, वैसे आपका प्लान क्या है?
सुरेशः अभी तो मार्केट आया हुआ हूं। शाम को दारू पिऊंगा, आप अपना बताइए।

बिहार विधानसभा चुनाव ने NDA में एक और दरार डाली, असर नतीजों के बाद आएगा सामने

बिहार के विधानसभा चुनाव ने एनडीए में एक और दरार डाल दी है, जिसका असर नतीजों के बाद सामने आएगा। इससे लगातार कम हो रहे एनडीए के घटक दलों में और कमी आ सकती है। बिहार में जदयू और लोजपा में जिस तरह से तलवारें खिंची हुई हैं उसे देखते हुए दोनों का अब लंबे समय तक एनडीए में एक साथ रहना मुश्किल होगा। बीते लोकसभा चुनावों के बाद एनडीए से उसके दो बड़े घटक शिवसेना व अकाली दल अलग हो चुके हैं।

भाजपा का अपना विस्तार तो तेजी से हो रहा है, लेकिन उसके सहयोगी दलों की संख्या घटती जा रही है। एनडीए में गिनती के लिए कई दल शामिल हैं, लेकिन लोकसभा व विधानसभाओं में ताकत देखें तो यह संख्या काफी कम रह गई है। तीन साल पहले जदयू के एनडीए में वापसी के बाद लगा था कि एनडीए अब ज्यादा मजबूत होगा, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत के बाद एनडीए में दरारें उभरनी शुरू हो गई। शिवसेना और अकाली दल जैसे विचारधारा से मेल खाने वाले सहयोगी उससे अलग हो गए।

अब जिस तरह से जदयू व लोजपा में घमासान मचा हुआ है और बिहार में लोजपा अलग चुनाव लड़ रही है, उससे लगता है कि चुनावों के बाद एनडीए को एक और बड़ा झटका लग सकता है। जदयू की तरफ से भाजपा पर लगातार दबाब बढ़ रहा है कि वह लोजपा से नाता तोड़े। भाजपा भी कोई फैसला लेने से पहले बिहार के चुनाव नतीजों का इंतजार कर रही है। इसके बाद की स्थितियों से तय होगा कि एनडीए में कौन रहेगा और कौन नहीं। ऐसी स्थिति भी आ सकती है कि दोनों दलों का एनडीए में रहना मजबूरी हो जाए।

पश्चिम बंगाल में जीजेएम ने दिया झटका

इस बीच भाजपा को पश्चिम बंगाल में भी झटका लगा है। दार्जिलिंग क्षेत्र में उसकी ताकत गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) ने एनडीए से हटकर तृणमूल कांग्रेस के साथ जाने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं उसे देखते हुए यह भाजपा के लिए एक झटका है क्योंकि उसने राज्य में बदलाव के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है।

महबूबा के बयान पर केंद्रीय मंत्री का पलटवार

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कश्मीर के कुछ नेता 'अवसरवाद की राजनीति' करते हैं क्योंकि जब वे सत्ता में होते हैं तो भारत की शपथ लेते हैं और एक बार सत्ता से बाहर होने के बाद, वे देश की संप्रभुता पर सवाल उठाते हैं।

जितेंद्र सिंह पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर को लेकर कहा था कि तत्कालीन राज्य का झंडा और संविधान बहाल होने तक उन्हें व्यक्तिगत तौर पर चुनाव लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

जम्मू-कश्मीर की उधमपुर सीट से सांसद जितेंद्र सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'यह साफ तौर पर अवसरवाद की राजनीति है। जब वे सत्ता में होते हैं तो भारत की शपथ लेते हैं और एक बार सत्ता से बाहर होने के बाद, वे भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाते हैं।

यह इन तथाकथित मुख्यधारा के नेताओं के दोहरे भाव को उजागर करता है।' उन्होंने सवाल किया, वे खुद को भारत के मुख्यधारा के नेता कहते हैं। अगर वे वाकई इसमें विश्वास करते हैं तो उनसे (महबूबा) पूछा जाना चाहिए कि भारतीय तिरंगा उठाने में उन्हें क्या परेशानी है? पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि जब तक जम्मू-कश्मीर को लेकर पिछले साल पांच अगस्त को संविधान में किए गए बदलावों को वापस नहीं ले लिया जाता, तब तक उन्हें चुनाव लड़ने अथवा तिरंगा थामने में कोई दिलचस्पी नहीं है। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को पिछले वर्ष अगस्त में समाप्त किए जाने के बाद से महबूबा हिरासत में थीं। रिहा होने के बाद पहली बार मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह तभी तिरंगा उठाएंगी, जब पूर्व राज्य का झंडा और संविधान बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा, "जहां तक मेरी बात है,तो मुझे चुनाव में कोई दिलचस्पी नहीं है। जब तक वह संविधान हमें वापस नहीं मिल जाता जिसके तहत मैं चुनाव लड़ती थी, महबूबा मुफ्ती को चुनाव से कोई लेना देना नहीं है।

87 हजार कांस्टेबलों के ग्रेड पे बढ़ाने की मांग

राजस्थान सरकार के वित्त विभाग ने पुलिस कांस्टेबलों की ग्रेड पे बढ़ाने की मांग को खारिज कर दिया है। वित्त विभाग के नियम अनुभाग ने पुलिस कार्मिकों का वेतन ग्रेड पे 2400 से बढ़ाकर 3600 करने की मांग को वाजिब नहीं माना है। इस संबंध में वित्त विभाग ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इससे पहले भी यह मांग उठ चुकी है। 20 सितंबर 2017 को विशिष्ट शासन सचिव वित्त (व्यय) की अध्यक्षता में गठित एक कमेटी द्वारा इस मांग का परीक्षण किया गया था, जिसमें इसको युक्तिसंगत नहीं माना गयाकांस्टेबलों का ग्रेड पे बढ़ाने के लिए प्रदेश के कई विधायकों, सांसदों और पूर्व नेताओं सहित सामाजिक संगठनों ने राज्य सरकार को चिट्ठी लिखी थी। मुख्यमंत्री कार्यालय के सवाल के जवाब में वित्त विभाग की तरफ से ये जवाब दिया गया है। राजस्थान में करीब 87 हजार से ज्यादा पुलिस कांस्टेबल हैं। इन कांस्टेबलों की मांग थी कि उनका ग्रेड पे 2400 से बढ़ाकर तृतीय क्षेणी के शिक्षकों के समान 3600 किया जाए। ग्रेड पे बढ़ाने को लेकर सोशल मीडिया पर पुलिस कांस्टेबलों ने मुहिम भी शुरू की थी। पुलिसवालों की इस मांग को लेकर 100 से ज्यादा विधायकों, सांसदों समेत कई जनप्रतिनिधियों ने समर्थन देते हुए मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा था। विधायकों ने विधानसभा में भी इस मुद्दे को उठाया था।

अपने पसंद के लड़के से शादी करना चाहती थी बहन, भाई ने प्रेमी का सिर फर्श में पटक-पकटकर कर मार डाला

राजस्थान के भिवाड़ी में एक भाई ने अपनी बहन की हत्या इसलिए कर दी क्योंकि बहन अपने पसंद के लड़के से शादी करना चाहती थी। यूआईटी थाने के ग्राम सांथलका में पसंद के लड़के से शादी की जिद कर रही युवती की उसके बड़े भाई ने गुरुवार रात हत्या कर दी। घटना के समय परिजन किसी कार्यक्रम में गए थे। उसने रात दो बजे परिजनों को फोन कर कहा कि बहन की हत्या कर दी है, लेकिन किसी ने विश्वास नहीं किया। शुक्रवार दोपहर उनके दूध वाले की सूचना पर पुलिस पहुंची। तब तक आरोपी शव के साथ घर में ही था। उसे हिरासत में लिया गया है। थाना प्रभारी सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि रेवाड़ी के सूंदरोज निवासी बनवारीलाल भिवाड़ी के सांथलका में रहते हैं। वे गांव गए थे। घर में बेटी पूनम (22) व बेटा पवन (24) ही थे। तभी दोनों में झगड़ा हुआ। भाई-बहन में झगड़ा हुआ और पवन ने पूनम का सिर जमीन में मार-मारकर उसकी हत्या कर दी। पवन की भिवाड़ी के मंशा चौक पर एसी रिपेयरिंग की दुकान है। उसकी दुकान पर नूंह इलाके का विष्णु भी काम करता था। एक ही समाज से होने के कारण वह पूनम के संपर्क में आ गया। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन विष्णु के परिजन तैयार नहीं थे। इसके बाद विष्णु ने पवन की दुकान की नौकरी छोड़ दी। पूनम के परिजन भी दूसरा रिश्ता देखने लगे, लेकिन पूनम विष्णु से शादी की जिद पर अड़ी थी। इसी बात पर घर में तनाव चल रहा था।

साइबर क्राइम के खिलाफ लड़ाई में कामाक्षी ने निभाई अहम भूमिका, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

उत्तर प्रदेस के गाजियाबाद की बेटी कामाक्षी शर्मा का नाम साइबर क्राइम रोकने और इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। उन्होंने पिछले साल साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए जम्मू से लेकर कन्या कुमारी तक यात्रा की। 30 से ज्यादा शहरों में घूमकर साइबर क्राइम से बचने के तौर-तरीके बताए। वह 50 हजार पुलिस कर्मियों को भी प्रशिक्षण दे चुकी हैं। जीटी रोड स्थित पंचवटी कॉलोनी की निवासी कामाक्षी शर्मा ने गाजियाबाद में 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। उनके पिता रघु शर्मा दिल्ली की एक कंपनी में सुपरवाइजर हैं। कामाक्षी ने गढ़वाल विश्वविद्यालय से 2017 में कम्प्यूटर साइंस से बीटेक किया। वह महज 23 साल की उम्र में साइबर क्राइम की खासी जानकारी रखने की वजह से विशेषज्ञ बन गई हैं। वह साइबर क्राइम पर पिछले कई साल से काम कर रही हैं। उन्हें गृह मंत्रालय से नेशनल पुलिसिंग ग्रुप नाम का एक मिशन मिला। इसके तहत उन्होंने कई राज्यों के आईपीएस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों को ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए किस उपकरण का इस्तेमाल किया जाता है और बदमाशों को कैसे पकड़ें, इसकी जानकारी दी। पिछले साल एक महीने की यात्रा कर रही पुलिस कर्मियों को साइबर क्राइमसे निपटने की हर बारीकी समझाई। उनका दावा है कि वह देश के 50 हजार पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दे चुकी हैं। इसके अलावा विभिन्न शहरों में जाकर हजारों छात्रों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया। पिछले साल कई जगह कार्यशालाएं की गईं इन कार्यशालाओं में हजारों युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने के बाद वह काफी खुश हैं। परिवार में भी खुशी का माहौल है। कामाक्षी एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं।

ऐसे आया विचार कामाक्षी ने बताया कि बीटेक की पढ़ाई के दौरान उनकी दो सहेली साइबर क्राइम की शिकार हो गईं। उन्हें फर्जी प्रोफाइल बनाकर बदनाम किया गया। उसी वक्त उन्होंने साइबर क्राइम के खिलाफ अभियान चलाने की ठानी। उनका कहना है कि पिछल कुछ साल से साइबर क्राइम और ठगी के मामले बढ़ रहे हैं। इसकी मुख्य वजह है कि लोग इसके बारे में जानकारी नहीं रखते हैं। लाखों रुपये का ऑफर ठुकरा दिया कामाक्षी एक सामान्य परिवार से ताल्लुक रखती हैं, इसके बावजूद उन्होंने लाखों रुपये की नौकरी के ऑफर ठुकरा दिए। उनके पास एथिकल हैकिंग की मदद मांगने के लिए कई निजी कंपनियों के ऑफर आए थे। एथिकल हैकर का काम कंपनी के कम्प्यूटर सिस्टम की सुरक्षा जांचने का होता है। साथ ही कंपनी के डेटा चोरी होने से बचाने का काम होता है। इसके लिए कंपनी अच्छा खासा पैकेज देने को तैयार थीं, लेकिन उन्होंने साइबर क्राइम के प्रति लोगों को जागरूक करने की ठानी।

सुरक्षित और टिकाऊ नेशनल हाईवे के लिए निजी कंसल्टेंट होंगे तैनात, जानें क्या है सरकार का प्लान

देश में बनाए जा रहे राष्ट्रीय राजमार्गों को सुरक्षित, टिकाऊ और गुणवत्तापरक बनाने के लिए सरकार निजी विशेषज्ञों (कंसल्टेंट) की टीम की तैनाती करने जा रही है। यह टीम राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना की प्री फिजिबिलटी अध्ययन, डीपीआर, सड़क निर्माण से पूर्व की गतिविधियों व निर्माण के बाद पर्यवेक्षण का काम करेगी। यह पॉयलेट प्रोजेक्ट एक साल के लिए शुरू किया जा रहा है। सफलता मिलने पर इसे देशभर की सभी सड़क परियोजनाओं पर लागू किया जाएगा। राजमार्ग क्षेत्र में इस नई व्यवस्था के लागू होने से सड़क परियोजनाओं में भ्रष्टाचार के जरिए मोटी कमाई पर अंकुश लगेगा और लोगों को अच्छे राजमार्ग मिलेंगे।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रायल ने 22 अक्तूबर को राज्य सरकारों, एनएचएआई, एनएचएआईडीसीएल, बीआरओ, पीडब्ल्यूडी आदि को पत्र भेजा है। इसमें उल्लेख है कि एक हजार करोड़ लागत की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं, पुल व टनल परियोजनाओं के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट (पीएमसी) व्यवस्था लागू करने की प्रक्रिया शुरू करें। पीएमसी नियुक्त करने के लिए एजेंसियां जल्द से जल्द प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरपी एफ) जारी करें। एनएच एआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में राजमार्ग परियोजनाओं में फिजिबिलटी अध्ययन, डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने व राजमार्ग निर्माण के बाद पर्यवेक्षण कंसल्टेंट अलग-अलग नियुक्ति किए जाते हैं। नई व्यवस्था में यह सभी काम एक पीएमसी को दिया जाएगा। जोकि राजमार्ग परियोजना का शुरू से लेकर आखिर तक का काम देखेगी। इससे सड़क सुरक्षा की अनदेखी, राजमार्ग डिजाइन में त्रुटि, घटिया निर्माण कार्य, वन-पर्यावरण मंजूरी, जनसुविधाएं हस्तांतरण आदि समस्या के लिए उक्त पीएमसी जवाबदेह होगी। एक दूसरे पर दोषारोपण नहीं किया जा सकेगा। पीएमसी अपनी रिपोर्ट सड़क परिवहन मंत्रालय को भेजेगी। जहां मंत्रालय के इंजीनियर इसकी समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि एक साल के लिए शुरू किए जा रहे पॉयलेट प्रोजेक्ट को सफलता मिलने पर इसे सभी सड़क परियोजनओं के लिए लागू करने के आदेश जारी किए जाएंगे।

पीएमसी में सभी क्षेत्रों के दक्ष-काबिल इंजीनियरों की टीम होगी

सरकार ने प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट (पीएमसी) में सड़क निर्माण से जुड़े क्षेत्रों के दक्ष और काबिल इंजीनियर व तकनीकी जानकारों को नियुक्त करने के आदेश दिए हैं। इसमें सड़क परियोजना में फिजिबिलटी अध्ययन, डीपीआर, निर्माण पूर्व गतिविधियों व निर्माण के बाद पर्यवेक्षण के दौरान टीम के कितने सदस्य तैनात रहेंगे इसका भी प्रावधान किया गया है। पीएमसी में निर्माण प्रबंधन के लिए सीनियर हाईवे इंजीनियर, जियो टेक्निकल इंजीनियर, परिवहन इंजीनियर, संरचनात्मक इंजीनियर, पुल-टनल इंजीनियर, ट्रैफिक सेफ्टी विशेषज्ञ, सामग्री इंजीनियर, पर्यावरण विशेषज्ञ, भूमि विशेषज्ञ, जनसुविधएं विशेषज्ञ आदि की तैनाती व समय का उल्लेख है।

निर्मला सीतारमण का कांग्रेस पर हमला, होशियारपुर मामले पर क्यों चुप हैं राहुल गांधी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बलात्कार की घटनाओं के राजनीतिकरण को लेकर कहा कि कहा कि होशियारपुर में 6 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ और उसकी लाश को जलाने का भी प्रयास किया गया। कांग्रेस पार्टी की इस विषय पर चुप्पी दुखद है, रेप को राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मैं आज कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहती कि क्या जहां आपकी सरकार नहीं है वहां अगर रेप होता है तो उसके खिलाफ आप भाई-बहन गाड़ी में बैठकर पिकनिक की तरह प्रदर्शन करने जाएंगे, मगर होशियापुर क्योंकि वहां कांग्रेस की सरकार है आप उस पर एक भी बात नहीं बोलेंगे क्या?

ट्विटर पर खास एक्टिव रहने वाले राहुल गांधी ने घटना पर एक शब्द नहीं कहा। इस पर कोई ट्वीट नहीं (होशियारपुर बलात्कार की घटना), इस पर कोई नाराजगी नहीं, और इस पर कोई चर्चा नहीं। एक महिला पार्टी प्रमुख है। क्या इस तरह का चुनिंदा आक्रोश उनकी पार्टी के कद को सूट करता है।

गौरतलब है कि पंजाब के होशियारपुर में टांडा स्थित एक गांव में छह वर्षीय एक लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया, उसकी हत्या की गई और फिर शव को आग लगा दिया गया। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आरोपियों गुरप्रीत सिंह और उसके दादा सुरजीत सिंह को हत्या, बलात्कार के आरोपों और भारतीय दंड संहिता तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की अन्य संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता एक प्रवासी मजदूर की बेटी थी, जो उसी गांव में रह रहा था। पीड़िता के पिता के अनुसार गुरप्रीत कथित तौर पर उनकी लड़की को अपने घर ले गया जहां उसने कथित तौर पर उससे बलात्कार किया।

PM मोदी ने गुजरात में किया 'किसान सूर्योदय योजना' समेत 3 प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने गृह राज्य गुजरात में 3 प्रमुख परियोजनाओं का वीडियो कॉन्फ्रें सिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। उन्होंने अहमदाबाद में यू एन मेहता पीडिएट्रिक हार्ट हॉस्पिटल, किसान सूर्योदय योजना और गिरनार पर्वत पर एशिया के सबसे लंबे मंदिर रोपवे का उद्घाटन किया। गिरनार में यह रोपवे श्रद्धालुओं व पर्यटकों को 2.3 किलोमीटर की दूरी केवल 7.5 मिनट में तय कर माउंट गिरनार की चोटी तक पहुंचने में सक्षम करेगा। इसके एक फेरे में 192 यात्री जा सकेंगे। वहीं राज्य सरकार ने 'किसान सूर्योदय योजना' के जरिए 2023 तक परेषण अवसंरचना स्थापित करने के लिए 3500 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। 2020-21 के लिए दाहोद, पाटन, महिसागर, पंचमहल, खेड़ा, तापी, वलसाड, छोटा उदयपुर, आनंद और गिर-सोमनाथ को योजना के तहत शामिल किया गया है। बाकी जिलों को 2023 तक चरणबद्ध तरीके से कवर किया जाएगा। साथ ही अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में टेली-कार्डियोलॉजी के लिए एक मोबाइल एप्लीकेशन की शुरुआत की। यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी का 470 करोड़ रुपये की लागत से विस्तार किया जा रहा है।

भारत बार-बार दिखा रहा दरियादिली, चीन की शह पर नेपाल भूला मित्रता, भारतीयों के लिए बंद किया पुल

भारत-नेपाल के बीच वर्षो पुराना रोटी-बेटी संबंध सीमा विवाद की भेंट चढ़ गया है। चीन की दखल ने आग में घी का काम किया है। पिछले कुछ समय से भारत की ओर किए जा रहे तमाम कोशिशों के बावजूद पड़ोसी देश नेपाल के साथ रिश्ते सहज नहीं हो पा रहे हैं।

भारत की तरफ से बार-बार दिखा दरियाली दिखाने के बावजूद नेपाल मित्रता भूलता जा रहा है। इस ताजा उदाहरण भारत-नेपाल सीमा पर देखने के मिल रहा है। कोरोना संकट के कारण करीब सात माह से बंद पड़े बॉर्डर को भारत सरकार ने खोल दिया है, लेकिन नेपाल की ओली सरकार इसके लिए सहमत नहीं है। नेपाल ने बॉर्डर के अपनी तरफ पुलिस बल तैनात कर सीमा को बंद कर रखा है। इससे भारत के सीमा खोलने के बावजूद दोनों देशों के बीच आवाजाही सामान्य नहीं हो पा रही है।

चीन की तरह नेपाल भी अब भारत के खिलाफ दोहरा चरित्र अपना रहा है। वह कहता कुछ है और करता कुछ है। शुक्रवार को झूलापुल में भी यही देखने को मिला। नेपाल ने अपने नागरिकों के लिए भारत में प्रवेश के दौरान तो झूलापुल खोला, लेकिन जब भारतीय नागरिक अपने रिश्तेदारों से मिलने नेपाल जाने लगे तो प्रहरियों ने पुल बंद कर दिया। डेढ़ घंटे से अधिक समय तक नेपाली नागरिक पुल पर बैठे रहे। भारत-नेपाल सीमा पर शुक्रवार को नेपाल प्रहरियों ने डेढ़ घंटे से अधिक समय तक पुल बंद रखा। इससे नेपाल, अपने रिश्तेदारों से मिलने जा रहे भारतीय नागरिक फंस गए।

लोगों ने कहा कि पुल खुलने पर उन्हें अपने रिश्तेदारों को सामान देने जाना था। लेकिन पुल बंद होने से उन्हें दिक्कत हुई। हांलाकि बाद में नेपाल प्रहरियों ने पुल खोल दिया। नेपाली पेंशनरों की समस्या को देखते हुए नेपाल से भारत से तीन दिन के लिए सुबह नौ से दोपहर दो बजे तक पुल खुलने की अपील की। भारत प्रशासन की सहमति के बाद पहले दो दिन निर्धारित समय तक दोनों देशों की तरफ से पुल खुले रहे, लेकिन अंतिम दिन नेपाल की तरफ से झूलापुल पर कुछ घंटों के लिए ताले लगा दिए गए। इससे लोगों में आक्रोश है।

भारत ने 28 बार नेपाली नागरिकों के लिए खोला झूलापुल

नेपाल, चीन के बहकावे में आकर भारतीय सीमा पर जगह-जगह अपने सैनिकों की तैनाती कर रहा है। नेपाल की इस विरोधी रवय्ये के बावजूद भारत ने हमेशा पड़ोसी देश से अपने मित्रता निभाई। जब सारे दुनिया की सीमाएं बंद थी, इस दौरान भी भारत ने नेपाल के लिए अपनी सीमाएं खोली। लॉकडाउन के बाद से अब तक नेपाली नागरिकों के कहने पर धारचूला, झूलाघाट में 28 बार अंतरराष्ट्रीय सीमा में लगे ताले खुले हैं। बीते तीन दिनों से नेपाली पेंशनरों की समस्या को देखते हुए पुल पर आवाजाही हुई है। जनपद के धारचूला, झूलाघाट स्थित झूलापुलों में बीते 22 मार्च से आवाजाही पर रोक लगी हुई है।

झूलाघाट में सात माह में 3202 लोगों ने की आवाजाही

झूलाघाट में बीते सात माह के दौरान 3202 लोगों ने भारत-नेपाल सीमा पर आवाजाही की। लॉकडाउन के दौरान भारत में फंसे 3114 नेपाली नागरिकों के लिए पहले पुल खोला गया। इसके बाद नियमित अंतराल पर नेपाली प्रशासन की अनुमति पर झूलापुल खोला गया। इस दौरान नेपाल से 88 लोग भारत आए।

चीन की तर्ज पर नेपाल ने दिखाया दोहरा चरित्र

चीन की तर्ज पर नेपाल भी अब भारत के खिलाफ दोहरा चरित्र अपना रहा है। वह कहता कुछ है और करता कुछ है। शुक्रवार को झूलापुल भी यही देखने को मिला। नेपाल ने अपने नागरिकों के लिए भारत में प्रवेश के दौरान तो झूलापुल खोला, लेकिन जब भारतीय नागरिक अपने रिश्तेदारों से मिलने नेपाल जाने लगे तो प्रहरियों ने पुल बंद कर दिया। डेढ़ घंटे से अधिक समय तक नेपाली नागरिक पुल पर बैठे रहे।

UP बॉर्डर से ISBT का सफर अब दस मिनट में होगा पूरा, केजरीवाल का दावा- इस प्रोजेक्ट में 53 करोड़ रुपये बचे

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीलमपुर से लेकर शास्त्री पार्क तक बनाए गए नए फ्लाईओवर का शनिवार को उद्घाटन कर दिल्ली की जनता को समर्पित कर दिया। इससे फ्लाईओवर के बनने से कश्मीरी गेट ISBT से UP बॉर्डर तक का रास्ता लगभग 10 मिनट में पूरा हो सकता है। अरविंद केजरीवाल ने दावा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने 303 करोड़ का फ्लाईओवर 250 करोड़ रुपये में बनाकर पूरा किया है। ईमानदार सरकार ने दिल्ली की जनता के 53 करोड़ रुपए बचाए हैं। उन्होंने कहा कि ये फ्लाईओवर 303 करोड़ रुपये में बनना था और इसे 250 करोड़ में पूरा कर दिया गया। इस प्रोजेक्ट में 53 करोड़ रुपये बच गए।

IPL 2020 DC vs KKR- दिल्ली के बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम, कोलकाता को जीत की दरकार, ऐसा हो सकता है प्लेइंग XI

अंकतालिका में शीर्ष पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अपना नंबर एक स्थान बरकरार रखना है, तो उसके बल्लेबाजों को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शनिवार को अबुधाबी होने वाले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली की तरफ से शिखर धवन बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने पिछले दोनों मैच में शतक जमाए हैं, लेकिन बाकी बल्लेबाजों की नाकामी के कारण टीम को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

युवा पृथ्वी शॉ को शीर्ष क्रम में अधिक जिम्मेदारी दिखानी होगी। शॉ पिछली चार पारियों में से दो में खाता नहीं खोल पाए थे। कप्तान श्रेयस अय्यर मांसपेशियों में खिंचाव आने से पहले जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे थे, वैसी अब नहीं कर पा रहे हैं। चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाले ऋषभ पंत भी पिछले मैच में क्रीज पर संघर्ष करते नजर आए। अय्यर और पंत के अलावा मार्कस स्टोइनिस दिल्ली के मध्यक्रम की रीढ़ हैं।

IPL 2020: सौरव गांगुली का बड़ा बयान, कहा- इस बल्लेबाज को जरूर चुभा होगा टीम से बाहर बैठना

तेज गेंदबाज एनरिच नोर्जे ने हमवतन दक्षिण अफ्रीकी कैगिसो रबाडा के साथ मिलकर दिल्ली की जीत में अहम भूमिका निभाई है। नोर्जे हालांकि चोटिल होने के कारण पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। अगर वह वापसी करते हैं तो उसकी गेंदबाजी फिर धारदार बन जाएगी। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज डेनियल सैम्स को उनके लिए जगह छोड़नी होगी।

केकेआर की टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ शर्मनाक प्रदर्शन के बाद इस मैच में उतरेगी। इस मैच में केकेआर की टीम 84 रन ही बना पाई। इससे टीम के मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा होगा। केकेआर के अभी 10 अंक हैं और वह चौथे स्थान पर है, लेकिन इयोन मोर्गन की अगुवाई वाली टीम प्लेऑफ में बने रहने के लिए अपने अंक बढ़ाने के लिए बेताब होगी। तेज गेंदबाज लॉकी फर्गुसन का अच्छा प्रदर्शन ही टीम के लिए सकारात्मक रहा है।

IPL 2020, CSK vs MI: प्लेऑफ में क्या अब भी पहुंच सकती है CSK, जानें सभी समीकरण

आंद्रे रसेल खराब फॉर्म में चल रहे हैं जिससे टीम को नुकसान हुआ है। वह चोटिल होने के कारण पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि अगर वह फिट हो जाते हैं तो क्या टीम प्रबंधन उन पर भरोसा दिखाता है। केकेआर को भी बल्लेबाजी में मोर्गन, दिनेश कार्तिक, शुभमन गिल और नितीश राणा से उपयोगी योगदान की दरकार है। दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग X I

दिल्ली कैपिटल्स की प्लेइंग XI: शिखर धवन, पृथ्वी शॉ, श्रेयस अय्यर (कप्तान), ऋषभ पंत, मार्कस स्टोइनिस, शिमरोन हेटमायर, आर अश्विन, अक्षर पटेल, कगिसो रबाडा, तुषार देशपांडे, डेनियल सैम्स।

कोलकाता नाइट राइडर्स की प्लेइंग XI: शुभमन गिल, राहुल त्रिपाठी, नीतीश राणा, इयोन मोर्गन (कप्तान) दिनेश कार्तिक, आंद्रे रसेल, पैट कमिंस, शिवम मावी, वरुण चक्रवर्ती, क्रिस ग्रीन, प्रसिद्ध कृष्णा।

Delhi Capitals Full Sqad: श्रेयस अय्यर (कप्तान), कैगिसो रबाडा, मार्कस स्टोइनिस, संदीप लामिछाने, ईशांत शर्मा, अजिंक्य रहाणे, रविचंद्रन अश्विन, शिखर धवन, शिमरोन हेटमायर, एलेक्स केरी, मोहित शर्मा, पृथ्वी शॉ, ललित यादव, अवेश खान, अक्षर पटेल , तुषार देशपांडे, ऋषभ पंत, हर्षल पटेल, कीमो पॉल, अमित मिश्रा, एनरिच नोर्जे, डैनियल सैम्स।

Kolkata Knight Riders Full Sqad: इयोन मोर्गन (कप्तान), शुभमन गिल, नितीश राणा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक, आंद्रे रसेल, कुलदीप यादव, लॉकी फर्गुसन, पैट कमिंस, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, टॉम बैंटन, सिद्धेश लाड, कमलेश नागरकोटी, प्रिसिध कृष्णा, संदीप वारियर, शिवम मावी, रिंकू सिंह, क्रिस ग्रीन, एम सिद्धार्थ और निखिल नाइक।

मुंबई के खिलाफ शर्मनाक हार पर चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच फ्लेमिंग ने क्या कहा

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 10 विकेट से मैच गवांने पर कहा कि उनकी टीम के लिए पावरप्ले 'काफी बुरा रहा जिसमें उनकी टीम में बहुत ज्यादा विकेट खो दिए थे। इस मैच में सीएसके की टीम पावरप्ले में पांच विकेट पर महज 21 रन बना सकी थी। सैम कुरेन ने हालांकि 47 गेंद में 52 रन की पारी खेल कर टीम को नौ विकेट पर 114 रन तक पहुंचाया। मुंबई इंडियन्स के महज 12.2 ओवर में बिना किसी नुकसान के 116 रन बनाकर 10 विकेट की शानदार जीत दर्ज की। फ्लेमिंग ने मैच के बाद शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम वास्तव में बहुत स्तब्ध हो गये थे। इतनी जल्दी विकेट खोने के मामले में यह बहुत बुरा पावरप्ले था। हमारे लिए मैच लगभग पावरप्ले में ही खत्म हो गया था। जाहिर है, हमारी टीम में कुछ युवा खिलाड़ी थे जिनके पास एक अवसर था, लेकिन इससे फायदा नहीं हुआ।'

सीएसके ने टूर्नामेंट में पहली बार दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर इमरान ताहिर को अंतिम 11 में शामिल किया था और फ्लेमिंग ने कहा कि उन्हें टीम में जगह देने के लिए शेन वॉटसन की जगह रुतुराज गायकवाड़ को मौका दिया गया। उन्होंने कहा, ''हमारी योजना यह थी कि कुछ रन बनाकर गेंदबाजी से मैच पर पकड़ बनाई जाए क्योंकि हमारे पांच अच्छे विदेशी गेंदबाज थे।

न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज सैम कुरेन की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''वह (कुरेन) सबकुछ अच्छा कर रहा है। उसने हर मौके का फायदा उठाया है। उसका प्रदर्शन असाधरण था।' मुंबई के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने कहा कि उन्होंने ट्रेन्ट बोल्ट (18 रन पर चार विकेट) की गेंदबाजी देखने के बाद जसप्रीत बुमराह (25 रन पर दो विकेट) को लगाने का फैसला किया। वेस्टइंडीज के इस हरफनमौला ने कहा, '' यह देखकर अच्छा लगा कि गेंदबाजों ने मैदान में उतर कर योजनाओं को अंजाम दिया। हम चाहते थे कि गेंदबाज मैदान में उतर कर इकाई के रूप में जल्दी लय हासिल करे और उन्होंने ऐसा ही किया।

उन्होंने कहा, ''दो मुख्य गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी शुरू करते समय हमने बुमराह के बारे में नहीं सोचा था, लेकिन बोल्ट की गेंदबाजी और जल्दी विकेट लेने को देखकर हमने उन्हें आजमाने का फैसला किया और यह सफल रहा।' इस जीत के साथ ही चार बार की चैम्पियन टीम तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई।

ट्विटर पर स्टोक्स से की फैन ने सिक्स लगाने की अपील, कुछ ऐसे दिया राजस्थान रॉयल्स की टीम ने जवाब

आईपीएल 2020 में राजस्थान रॉयल्स की टीम का प्रदर्शन अबतक काफी निराशाजनक रहा है। टीम ने इस सीजन खेले 11 मैचों में से 7 में हार का सामना किया है, जबकि सिर्फ 4 मैचों में ही टीम को जीत मिल सकी है। राजस्थान की बल्लेबाजी टीम के लिए सबसे बड़ा चिंता का विषय रहा है। स्टीव स्मिथ, बेन स्टोक्स जैसे बल्लेबाज अभी तक कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकें हैं। राजस्थान की तरफ से इस साल ओपनर की भूमिका निभा रहे बेन स्टोक्स के बल्ले से इस सीजन एक भी सिक्स नहीं निकला है। इसी पर एक फैन ने ट्वीट करते हुए स्टोक्स से सिक्स लगाने की डिमांड की है।

दरअसल, राजस्थान रॉयल्स के एक फैन ने ट्विटर पर लिखा, 'देख भाई जॉब मिलने की खुशी तो मिल नहीं रही, तो प्लीज बेन स्टोक्स को बोलो कि अब सिक्स मारना स्टार्ट करे, ताकि हमें इस आईपीएल से थोड़ी और खुशी मिले।' इसका ट्वीट का जवाब देते हुए राजस्थान रॉयल्स की टीम ने लिखा, 'बोलता हूं भाई' बेन स्टोक्स का बल्ला इस सीजन अबतक पूरी तरह से खामोश रहा है। उन्होंने अबतक राजस्थान के लिए इस सीजन में खेले 5 मैचों में 106.79 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 110 रन बनाए हैं। बड़े-बड़े शॉट्स के लिए मशहूर स्टोक्स के बल्ले से आईपीएल 2020 में एक भी सिक्स नहीं लगा है। 5 मैच खेलने के बाद उन्होंने महज 14 चौके लगाए हैं। टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इस सीजन खेले 11 मैचों में 129.26 के स्ट्राइक रेट से 265 रन बनाए हैं।

राजस्थान रॉयल्स की टीम इस साल प्लेऑफ में पहुंचना काफी मुश्किल नजर आ रहा है। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए टीम को ना सिर्फ अपने तीनों ही मैचों में जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि बाकी टीमों के प्रदर्शन पर भी नजर रखनी होगी। राजस्थान की टीम को अपना अगला मैच रविवार (25 अक्टूबर) को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलना है।

राष्ट्रपति, PM को मिलेगी और भी अभेद सुरक्षा, आज अमेरिका से आ रहा दूसरा VVIP विमान, जानें खासियत

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को देश-विदेश की यात्रा के दौरान अब और भी अधिक अभेद सुरक्षा मिलेगी। भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की यात्रा के लिए तैयार बोइंग 777 एयरक्राफ्ट का दूसरा स्पेशल विमान आज अमेरिका से भारत आ रहा है। यह वीआईपी एयरक्राफ्ट आज अमेरिका से टेक ऑफ कर चुका है और किसी भी वक्त भारत पहुंचेगा। बदा दें कि इसका पहला विमान एक अक्टूबर को भारत आया था। इन विमानों के लिए भारत ने 2018 में बोईंग कंपनी से डील की थी। विमानों को कस्टमाइज करने का काम अमेरिका में किया गया। इसमें सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से बदलाव किया गया। भारत को मिलने वाले इस विमान का नाम Air India One रखा गया है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की यात्रा के लिए विशेष रूप से निर्मित पहला बी777 विमान एक अक्टूबर को अमेरिका से भारत आया था। विमान को जुलाई में ही विमान निर्माता कंपनी बोइंग द्वारा एअर इंडिया को सौंपा जाना था, लेकिन दो बार इसमें देरी हुई। पहली बार कोविड-19 महामारी के कारण देरी हुई, फिर तकनीकी कारणों से इसमें कुछ हफ्तों की देरी हुई। ये दोनों विमान 2018 में कुछ महीनों के लिए एअर इंडिया के वाणिज्यिक बेड़े का हिस्सा थे, जिन्हें फिर वीवीआईपी यात्रा के लिए इसे विशेष रूप से पुनर्निमित करने के लिए अमेरिका के डलास भेज दिया गया।

अधिकारियों की मानें तो दोनों विमानों की खरीद और इनके पुनर्निर्माण की कुल लागत लगभग 8,400 करोड़ रुपये आंकी गई है। बी777 विमानों में अत्याधुनिक मिसाइल रोधी प्रणाली होगी, जिसे लार्ज एयरक्राफ्ट न्फ्रारेड काउंटरमेजर्स और सेल्फ-प्रोटेक्शन सूट्स (एसपीएस) कहा जाता है। वीवीआईपी की यात्रा के दौरान, दोनों बी777 विमानों को एअर इंडिया के पायलट नहीं, बल्कि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के पायलट उड़ाएंगे। वर्तमान में, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री एअर इंडिया के बी747 विमानों से यात्रा करते हैं। एयर इंडिया वन अग्रिम और सुरक्षित संचार प्रणाली से लैस है जो हवा में भी ऑडियो और वीडियो संचार फ़ंक्शन का लाभ (बिना हैक हैक या टैप किए) उठाने की अनुमति देता है।

क्या है खासियत?

विमान की खासियत भी आपको हैरान कर देगी। बी777 विमानों में अत्याधुनिक मिसाइल रक्षा प्रणाली होंगी जिन्हें लार्ज एयरक्राफ्ट इंफ्रारेड काउंटरमेजर्स (एलएआई आरसीएम) और सेल्फ प्रोटेक्शन सूट्स (एसपीएस) कहा जाता है। फरवरी में, अमेरिका ने भारत को यह दो रक्षा प्रणालियां 19 करोड़ डॉलर की कीमत पर बेचने की सहमति दी थी। दोनों विमानों में सुरक्षा के ऐसे उपकरण लगाए जा रहे हैं जो बड़े से बड़े हमले को नाकाम कर सकती है। यहां तक की इस विमान पर मिसाइल अटैक का भी कोई असर नहीं होगा और यह काउंटर करने में भी सक्षम होगा। वर्तमान में, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति एअर इंडिया के बी747 विमानों से यात्रा करते हैं, जिनपर एअर इंडिया वन का चिह्न होता है।

अमेरिका में जो बाइडेन ने चला BJP वाला चुनावी दांव, कहा- जीते तो सभी अमेरिकी को फ्री में देंगे कोरोना वैक्सीन

बिहार विधानसभा चुनाव के साथ-साथ अमेरिका में भी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। जिस तरह बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने अपने वादे में सभी के लिए कोरोना वायरस की वैक्सीन मुफ्त देने का वादा किया है, ठीक उसी तरह का ऐलान अमेरिका में भी हुआ है। अमेरिका में 3 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन ने अमेरिकियों को मुफ्त में वैक्सीन देने का बड़ा चुनावी वादा किया है। जो बाइडेन ने शुक्रवार को कहा कि अगर वह राष्ट्रपति बनते हैं तो वह सभी अमेरिकियों को लिए कोविड-19 की वैक्सीन अनिवार्य तौर पर मुफ्त कर देंगे। उनका यह कदम

कोरोना से निपटने की दिशा में राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा होगा।

डोनाल्ड ट्रंप पर हमला करते हुए जो बाइडेन ने कहा कि ट्रंप प्रशासन कोरोना वायरस हमामारी से निपटने में असमर्थ रही है और उसने कोरोना से जंग में आत्मसमर्पण कर दिया है और इसे अमेरिका पर छोड़ दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 11 दिन पहले बाइडेन ने कोरोना से निपटने को लेकर कहा कि जब एक बार हमारे पास सुरक्षित और कारगर वैक्सीन आ जाए, तो ये हर अमेरिकी के लिए मुफ्त होगी, चाहे आपका बीमा हो या नहीं। बाइडेन ने कोरोना से अमेरिका में मौतों के लेकर भी ट्रंप पर हमला बोला और कहा कि कोरोना के चलते दुनिया में सबसे ज्यादा 2,23,000 लोगों की मौत अमेरिका में हुई है। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी महामारी दुनिया ने हाल के इतिहास में नहीं देखी है। यहां आठ महीने हो चुके हैं मगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास कोई प्लान नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह राष्ट्रपति चुनाव जीतते हैं तो सबसे पहले तुरंत राष्ट्रीय रणनीति लागू करेंगे जिससे कोरोना वायरस से आगे निकला जा सके और जीवन सामान्य पटरी पर लाएंगे। इसमें सभी 50 राज्यों के राज्यपालों के विचार भी शामिल होंगे। बाइडेन कहा कि राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद मैं कांग्रेस से अपील करूंगा कि वायरस से निपटने के लिए हर बड़े बिल को पारित किया जाएगा, हर जगह मास्क अनिवार्य हो और नेशनल टेस्टिंग प्लान लागू किया जाए। बता दें कि बीते दिनों जब बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी किया था, तो उसमें सबसे बड़े चुनावी वादे के रूप में फ्री वैक्सीन ही था। भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनावी वादे में कहा है कि अगर उसकी सरकार सत्ता में आती है तो बिहार में कोरोना वैक्सीन का मुफ्त टीकाकरण किया जाएगा।

मंदिर की शरण में पहुंची कोरोना का इलाज ढूंढ रही ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, जानें पूरा मामला

बिहार विधानसभा चुनाव के साथ-साथ अमेरिका में भी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। जिस तरह बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने अपने वादे में सभी के लिए कोरोना वायरस की वैक्सीन मुफ्त देने का वादा किया है, ठीक उसी तरह का ऐलान अमेरिका में भी हुआ है। अमेरिका में 3 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन ने अमेरिकियों को मुफ्त में वैक्सीन देने का बड़ा चुनावी वादा किया है। जो बाइडेन ने शुक्रवार को कहा कि अगर वह राष्ट्रपति बनते हैं तो वह सभी अमेरिकियों को लिए कोविड-19 की वैक्सीन अनिवार्य तौर पर मुफ्त कर देंगे। उनका यह कदम कोरोना से निपटने की दिशा में राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा होगा।

डोनाल्ड ट्रंप पर हमला करते हुए जो बाइडेन ने कहा कि ट्रंप प्रशासन कोरोना वायरस हमामारी से निपटने में असमर्थ रही है और उसने कोरोना से जंग में आत्मसमर्पण कर दिया है और इसे अमेरिका पर छोड़ दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 11 दिन पहले बाइडेन ने कोरोना से निपटने को लेकर कहा कि जब एक बार हमारे पास सुरक्षित और कारगर वैक्सीन आ जाए, तो ये हर अमेरिकी के लिए मुफ्त होगी, चाहे आपका बीमा हो या नहीं। बाइडेन ने कोरोना से अमेरिका में मौतों के लेकर भी ट्रंप पर हमला बोला और कहा कि कोरोना के चलते दुनिया में सबसे ज्यादा 2,23,000 लोगों की मौत अमेरिका में हुई है। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी महामारी दुनिया ने हाल के इतिहास में नहीं देखी है। यहां आठ महीने हो चुके हैं मगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास कोई प्लान नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह राष्ट्रपति चुनाव जीतते हैं तो सबसे पहले तुरंत राष्ट्रीय रणनीति लागू करेंगे जिससे कोरोना वायरस से आगे निकला जा सके और जीवन सामान्य पटरी पर लाएंगे। इसमें सभी 50 राज्यों के राज्यपालों के विचार भी शामिल होंगे। बाइडेन कहा कि राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद मैं कांग्रेस से अपील करूंगा कि वायरस से निपटने के लिए हर बड़े बिल को पारित किया जाएगा, हर जगह मास्क अनिवार्य हो और नेशनल टेस्टिंग प्लान लागू किया जाए। बता दें कि बीते दिनों जब बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी किया था, तो उसमें सबसे बड़े चुनावी वादे के रूप में फ्री वैक्सीन ही था। भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनावी वादे में कहा है कि अगर उसकी सरकार सत्ता में आती है तो बिहार में कोरोना वैक्सीन का मुफ्त टीकाकरण किया जाएगा।

Bigg Boss 14: सलमान खान ने फिर लगाई रुबीना दिलैक की क्लास, कहा- गलतफहमी में मत रहो

बिग बॉस 14 का नया प्रोमो सामने आया है जिसमें सलमान खान, रुबीना दिलैक की क्लास लगाते हैं। सलमान, रुबीना का एक वीडियो शेयर करते हैं जिसमें वह एक्टर के बारे में बात करती हैं। वीडियो दिखाने के बाद सलमान कहते हैं, इस खेल में मुझे शामिल मत करो। मैं आपका कॉम्पटीशन नहीं हूं। मैं शो का होस्ट हूं। आप मेरे घर पर रह रहे हो। प्लीज गलतफहमी में मत रहो नहीं तो अगली बार यह गलतफहमी का गुब्बारा आपके ऊपर फटेगा'।

इस दौरान अभिनव, रुबीना को संभालते हुए नजर आते हैं।

इसके साथ ही सलमान, जान कुमार सानू की पोल भी निक्की तंबोली के साथ खोलते हैं। सलमान, पूछते हैं कि ये किसने कहा कि 'मैं पागल थोड़ी हूं कि निक्की को कैप्टन बनने दूंगा'। जवाब में रुबीना दिलैक रिप्लाई करती है, 'जान ने बोला'। निक्की, जान के बारे में सच जानने के बाद वाशरूम में चली जाती हैं जिसके पीछे-पीछे जान उन्हें मनाने के लिए जाते हैं। लेकिन निक्की नहीं मानती।

बता दें कि इससे पहले भी वीकेंड का वार में सलमान की रुबीना से बहस हो गई थी। सलमान ने कहा था, 'अगर आप कहें तो हर चीज हम आपसे अप्रूव करवा लेते हैं भाई। रुबीना फिर हाथ खड़े करके कहती हैं, मुझे मेरे प्वाइंट ऑफ व्यू के लिए डांट पड़ेगी। तभी सलमान बीच में टोकते हुए कहते हैं, मैडम मैं आपसे बड़ी तमीज से बात कर रहा हूं। मैं यहां पर कोई कंटेस्टेंट नहीं हूं। यह गलत है और यही आपको भारी पड़ने वाला है।'

रुबीना ले रहीं ज्यादा फीस

खबरी की रिपोर्ट के मुताबिक, रुबीना दिलैक इस शो की हाइऐस्ट पेड कंटेस्टेंट हैं। रुबीना हर हफ्ते के 5 लाख रुपये ले रही हैं। हालांकि, कंटेस्टेंट्स से ज्यादा फीस शो के सीनियर्स गौहर खान, हिना खान और सिद्धार्थ शुक्ला ले रहे थे जो अब बिग बॉस के घर से बाहर आ गए हैं। इसमें सिद्धार्थ शुक्ला की फीस सबसे ज्यादा थी।

सिंगर विशाल ददलानी ने मांगी नेहा कक्कड़ से माफी, जानें क्यों

नेहा कक्कड़ ने रोहनप्रीत सिंह के साथ अपनी मेहंदी की तस्वीरें शेयर की हैं। इसपर फेमस सिंगर विशाल ददलानी ने मेहंदी अटेंड न कर पाने के लिए माफी मांगी है।

उन्होंने लिखा, "मुझे खेद है कि मैं तुम्हारी मेहंदी अटेंड नहीं कर पाया, मुझे इसके लिए माफ करना। मुझे बुरा लग रहा है कि मैं इसे अटेंड नहीं कर पाया लेकिन मेरे पास कोई ऑप्शन ही नहीं था। आप दोनों को ढेर सारा प्यार और पूरे परिवार को बधाई।"

बता दें, नेहा ने फोटो में ग्रीन कलर का लहंगा पहना हुआ है और रोहनप्रीत ने ग्रीन कलर की शेरवानी और सर पर पगड़ी पहनी हुई है। कुछ फोटोज नेहा के अकेले की हैं जिसमें वह अपने हाथों में लगी मेहंदी दिखा रही हैं, इसमें रोहनप्रीत का नाम साफ लिखा हुआ नजर आ रहा है। नेहा ने अपनी मेहंदी की इन फोटोज को शेयर करते हुए नेहा ने लिखा, "मेहंदी लगाउंगी में सजना रोहनप्रीत के नाम की"।

इस प्यारे कपल की फोटोज पर फैन्स के साथ-साथ सेलेब्स भी खूब कमेंट्स कर रहे हैं। दोनों की तारीफ किए बगैर कोई नहीं रह पा रहा है। एक फैन ने लिखा, "आप दोनों साथ में बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। आपको ब्राइडल लुक में देखने के लिए हम कबसे इंतजार कर रहे हैं। एक अन्य फैन लिखते हैं, "आप दोनों की जोड़ी सलामत रहे"। वहीं नेहा के भाई टोनी कक्कड़ ने इस पर कमेंट किया, "मोस्ट ब्यूटीफुल कपल एवर"।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शादी के बाद पंजाब में दोनों का ग्रैंड रिसेप्शन होने वाला है। ऐसा कहा जा रहा है कि रिसेप्शन में नेहा के इंडस्ट्री के दोस्त भी शामिल हो सकते हैं।

बता दें, नेहा और रोहनप्रीत काफी समय से रिलेशनशिप में थे। इससे पहले नेहा ने अपनी हल्दी सेरेमनी की फोटो शेयर की थी। नेहा ने हल्दी के दौरान येलो कलर की साड़ी पहनी थी। वहीं रोहनप्रीत ने येलो कलर का कुर्ता पहना था। इन फोटोज को शेयर करते हुए नेहा ने लिखा था, नेहू-प्रीत की हल्दी सेरेमनी।

नेहा कक्कड़ ने रोहनप्रीत सिंह से गुरुद्वारे में की शादी

नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह 24 अक्टूबर को शादी के बंधन में बंध गए हैं। शनिवार को गुरुद्वारे में दोनों की शादी हुई जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में आप देखेंगे कि दोनों ने एक ही कलर के आउटफिट्स पहने हैं। नेहा ने जहां क्रीम कलर का लहंगा पहना है। वहीं रोहनप्रीत ने भी इसी कलर की शेरवानी पहनी है। वीडियो में नेहा का परिवार भी साथ नजर आ रहा है।

फैन्स दोनों की शादी से काफी खुश हैं। सभी कमेंट्स कर इस प्यारी जोड़ी की तारीफ कर रहे हैं। नेहा दुल्हन लुक में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं।

इसके साथ ही रोहनप्रीत का बारात ले जाते हुए वीडियो भी सामने आया है जिसमें रोहनप्रीत, परिवार के साथ डांस कर रहे हैं।

अंकिता लोखंडे का ब्वॉयफ्रेंड विक्की जैन के साथ रोमांटिक वीडियो वायरल

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन काफी समय से रिलेशनशिप में हैं। फैन्स दोनों के वीडियोज और फोटोज शेयर करते रहते हैं। अब हाल ही में अंकिता और विक्की का एक प्यारा वीडियो फैन्स ने शेयर किया है जिसमें दोनों की प्यारी केमिस्ट्री नजर आ रही है। अंकिता ने इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो के बैकग्राउंड में दिल इबादत गाना चल रहा है।

कुछ दिनों पहले अंकिता ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'मैं और सुशांत दोनों अपनी लाइफ में मूव ऑन कर चुके थे। मैं विक्की जैन को डेट कर रही हूं और उनके साथ खुश हूं'। बता दें कि सुशांत से ब्रेकअप के बाद अंकिता काफी टूट गई थीं। लेकिन फिर अंकिता की लाइफ में विक्की जैन आए। अंकिता और विक्की की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए ही हुई थी। इसके बाद दोनों कई बार मिले और फिर दोनों को प्यार हो गया। अंकिता, विक्की के साथ रोमांटिक फोटोज शेयर करती रहती हैं। वह हर त्यौहार को विक्की के साथ सेलिब्रेट करती हैं। अंकिता की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो पिछले साल ही उन्होंने कंगना रनौत की फिल्म मणिकर्णिका से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद अंकिता फिल्म बागी 3 में नजर आई थीं। फिल्म में अंकिता, टाइगर श्रॉफ और श्रद्धा कपूर लीड रोल में थे।

प्रभास की फिल्म आदिपुरुष में अजय देवगन निभाएंगे राम या रावण का रोल? जानें क्या सच्चाई

पिछले कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि अजय देवगन फिल्म आदिपुरुष का हिस्सा बनेंगे। यह भी बताया गया कि वह भगवान राम का रोल निभाना चाहते थे, लेकिन उन्हें रावण का किरदार ऑफर किया जा रहा था जिसके चलते उन्होंने फिल्म करने से मना कर दिया। अब अजय के प्रवक्ता ने इन खबरों को खारिज कर दिया है। अजय देवगन के प्रवक्ता ने इन खबरों से इनकार करते हुए कहा कि अजय देवगन को न तो राम और न ही निगेटिव रोल रावण के लिए ऑफर किया गया है। ई-टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने कहा कि आदिपुरुष के मेकर्स की तरफ से अजय देवगन को किसी भी रोल के लिए अप्रोच नहीं किया गया। इससे पहले खबरें आई थीं अजय देवगन फिल्म आदिपुरुष में भगवान शिव के रोल में नजर आएंगे। बता दें कि फिल्म आदिपुरुष एक मेगा बजट फिल्म है। इसमें प्रभास भगवान राम के रोल मे नजर आएंगे वहीं, सैफ अली खान फिल्म में निगेटिव भूमिका निभाएंगे। उनके किरदार का नाम लंकेश होगा।

फिल्म का निर्देशन ओम राउत कर रहे हैं। इससे पहले अजय देवगन की फिल्म तान्हाजी: अनसंग वॉरियर का डायरेक्शन किया था। इस फिल्म में सैफ अली खान ने विलेन की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। काजोल, शरद केलकर भी इस फिल्म का हिस्से थे।

राजकुमार राव ने डांस शो बूगी वूगी के लिए दिया था ऑडिशन, हो गए थे रिजेक्ट

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव इंडियाज बेस्ट डांस शो पर गेस्ट बनकर पहुंचे। इस दौरान राजकुमार ने बताया कि एक बार उन्होंने पॉप्युलर डांस शो बूगी वूगी के लिए ऑडिशन दिया था लेकिन वह रिजेक्ट हो गए थे। इस दौरान फिल्म छलांग में उनकी को-स्टार नुसरत भरूचा भी मौजूद रहीं।

टेलीचक्कर के साथ बातचीत में राजकुमार राव ने कहा, 'कई सालों पहले, जब मैं 11वीं क्लास में था तो मैं छोटे भाई के साथ बूगी वुगी का ऑडिशन देने के लिए मुंबई आया था, लेकिन मैं रिजेक्ट हो गया। आज मुझे यहां पर इतनी शानदार परफॉर्मेसेस देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। कंटेस्टेंट्स के साथ परफॉर्मेंस के लिए जजेस ने 30 पॉइन्ट दिए थे।' मलाइका अरोड़ा ने कहा, 'राज एक छुपे रुस्तम डांसर हैं, लेकिन बहुत लोग नहीं जानते हैं वह एक अच्छे डांसर हैं। मुझे उनके साथ एक फिल्म में डांस करने का सौभाग्य मिला था। हमने साथ में फिल्म डॉली की डोली के लिए एक गाना किया था। डांस के लिए हमने साथ में रिहर्सल की थी। सेट पर राज काफी शांत थे, लेकिन जैसे ही गाना बजाया गया, वह मस्ती में झूम उठे और डांस करना शुरू कर दिया। मलाइका की इस बात को सुनकर नुसरत भरूचा बोलीं- आपको इन्हें पार्टी में देखना चाहिए, अगर आप 90 के दशक के गाने बजाएंगे तो वह उन पर बहुत अच्छा डांस करते हैं।

बता दें कि राजकुमार राव और नुसरत भरूचा की फिल्म छलांग 12 नवंबर को अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। फिल्म राजकुमार पीटी टीचर की भूमिका में नजर आएंगे वहीं, नुसरत ने कंप्यूटर टीचर की भूमिका निभाई है। सौरभ शुक्ला, सतीश कौशिक, जीशान अयूब , इला अरुण और जतिन सरना जैसे सितारे भी इस फिल्म का अहम हिस्सा है।

बादशाह के चेहरे का मालदीव वेकेशन के दौरान हुआ बुरा हाल

बॉलीवुड के फेमस रैपर बादशाह की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। फोटो में बादशाह के चेहर पर सनबर्न का असर नजर आ रहा है। दरअरल, बादशाह ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मालदीव वैकेशन के दौरान की अपनी फोटो शेयर की है, जिसमें उनका चेहर लाल और स्किन छिली हुई नजर आ रही है। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, सनबर्न्ट। इस तस्वीर पर उनके फैन्स रिएक्शंस दे रहे हैं। सिंगर अरमान मलिक ने लिखा, बुरे जले। वहीं, एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने कॉमेंट किया, ओह नहीं। सोशल मीडिया पर बादशाह की इस तस्वीर को जमकर शेयर किया जा रहा है। हाल ही में बादशाह ने शाहरुख खान की आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए एक गाना गाया है जो रिलीज होते ही यूट्यूब पर छा गया। इस गाने के वीडियो में रैपर बादशाह के अलावा शाहरुख खान भी नजर आ रहे हैं। इसके अलावा बादशाह का गाना 'टॉक्सिक' इन दिनों धूम मचा रहा है। यह गाना मई में रिलीज हुआ था। गाने के वीडियो में रवि दुबे ओर सरगुन मेहता की जबरदस्त केमिस्ट्री नजर आई थी। यह गाना अभी तक यूट्यूब पर टॉप सर्च में बना हुआ है।

सोनू सूद ने उठाया लड़की की सर्जरी का जिम्मा, फैन्स ने की जमकर तारीफ

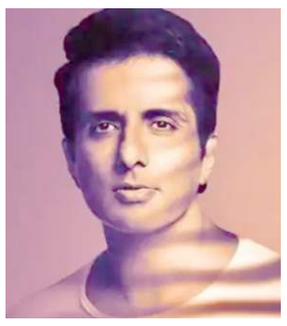

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद कोरोना काल में जरूरतमंदों की आगे बढ़कर मदद कर रहे हैं। वह मदद मांगने वालों को कभी निराश नहीं करते हैं और हरसंभव उन तक सहायता पहुंचाते हैं। अब उन्होंने एक बच्ची के ऑपरेशन का जिम्मा उठाया है। सोनू सूद ने यह जानकरी ट्विटर पर दी है। यूजर्स उनके इस कदम की खूब सराहना कर रहे हैं।

सोनू सूद को टैग करते एक शख्स ने ट्वीट किया, 'सोनू सूद सर, एक 10 साल की बच्ची जो मुंबई में अपने गरीब मां-बाप के साथ रहती है, उस बच्ची के पीछे रीढ़ की हड्डी में क्रेक आ गया है और पस जम गया है। डॉक्टर ने तुरंत ऑपरेशन करने को कहा है। कृप्या उस बच्ची की मदद कीजिए। इस ट्वीट पर सोनू सूद ने जवाब देते हुए लिखा, 'चलिए इस बच्ची को स्वस्थ करते हैं। तैयारी कीजिए 28 तारीख को होगी सर्जरी।' मालूम हो कि सोनू सूद अपने फैन्स के ट्वीट का मजेदार जवाब देने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में एक फैन ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की, जिस पर सोनू ने फनी रिएक्शन दिया। फैन ने ट्विटर पर लिखा, 'सोनू सूद सर, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं, लेकिन मेरी आपसे मुलाकात नहीं होगी, मैं जानता हूं। शायद मैं आपसे कभी भी नहीं मिल सकता हूं, लेकिन प्लीज आप एक बार कह दो कि मुलाकात होगी। इस ट्वीट पर जवाब देते हुए सोनू सूद ने लिखा कि मिलूंगा जरूर, अगर जो नींबू पानी आप पी रहे हो, मेरे लिए भी ले आओगे।

'कालीन भैया' के काम को लेकर क्या होती है बेटी की प्रतिक्रिया? एक्टर ने दिया यह जवाब

बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपनी फेमस वेब सीरीज मिर्जापुर के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज को फैन्स से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और उन्हें मिर्जापुर 2 में पंकज त्रिपाठी का काम बहुत पसंद आया। सीरीज में पंकज ने कालीन भैया का रोल निभाया है। अब उन्होंने फिल्मों में अपने काम को लेकर बेटी की प्रतिक्रिया के बारे में बताया।

स्पॉटबॉय के साथ इंटरव्यू में पंकज त्रिपाठी ने कहा, 'रिएक्शंस तो अच्छे ही आते हैं, हालांकि, वह ज्यादा देखती नहीं है। उसको कोरियन सीरीज और फिल्में ज्यादा पसंद आते हैं। मेरी फिल्में भी भी देखती है और देखकर बोल देती है कुछ जब मन करता है तो। क्रिटिसाइज भी कर देती है, बोल देती है आपने अच्छा नहीं किया है।' जब पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि उनकी बेटी को मिर्जापुर सीरीज कैसी लगी? इसके जवाव में उन्होंने कहा, 'नहीं, उसने मिर्जापुर नहीं देखी है।' इससे पहले एक्टर ने बताया था कि उनके पिता ने उनकी एक भी फिल्म नहीं देखी है। उन्होंने कहा, 'बाबूजी और मेरे बीच में ज्यादा बातचीत नहीं है। मेरे जीवन में क्या और क्यों चल रहा है, वह बैठकर मुझसे बातें नहीं करते हैं। न उन्होंने मुझे कभी किसी चीज के लिए रोका है। मिर्जापुर सीरीर क्या है उन्हें आइडिया भी नहीं होगा इसका। उन्हें पता नहीं है कि मैं फिल्में करता हूं।'

पंकज ने आगे कहा, 'मैं जाता हूं तो बस इतना पूछते हैं तुम्हारा सब ठीक है न? तो मैं बोल देता हूं कि हां सब ठीक है। तो उन्हें कुछ ज्यादा आइडिया नहीं है आज तक उन्होंने मेरी कोई फिल्म थियेटर में नहीं देकी है। कभी-कभार पर कुछ सीन देख लिया किसी ने दिखा दिया तो वह अलग बात है। वह (पिता) टीवी नहीं देखते हैं, उन्हें पसंद नहीं रेहै। मे जो गांव मे घर हैं वहां आज भी टीवी नहीं है। मैंने बहुत बार कहा कि टीवी लगवा देता हूं कम से कम मेरी फिल्में देख लेना लेकिन मां और बाबूजी ने बोला नहीं चाहिए।'

शाहरुख खान बड़े परदे पर निभाएंगे डबल रोल?

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों फिल्म पठान को लेकर सुर्खियों में हैं। वह इस साल नवंबर से फिल्म की शूटिंग कर सकते हैं। अब खबर है कि शाहरुख खान साउथ फिल्मों के डायरेक्टर एटली के साथ काम करने जा रहे हैं। उनकी फिल्म में शाहरुख खान डबल रोल निभाते नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में शाहरुख बाप और बेटे दोनों का किरदार निभाएंगे। यदि सबकुछ सही रहा तो फिल्म में शाहरुख एक सीनियर रॉ एजेंट की भूमिका मे दिखेंगे, जिन्हें अपने गैंगस्टर बेटे को पकड़ने के लिए मिशन पर भेजा जाता है। बताया जा रहा है कि शाहरुख खान, एटली की इस फिल्म की शूटिंग अगले साल के बीच में शुरू कर सकते हैं। बताते चलें कि शाहरुख खान की फिल्म पठान में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। दोनों सितारे जनवरी 2021 से शूट में शामिल होंगे। शाहरुख मुंबई में यशराज फिल्म्स स्टूडियों में पठान की शूटिंग करेंगे। मिड डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'पठान' की शूटिंग वह अंधेरी, मुंबई में यशराज फिल्म्स स्टूडियो में शुरू करेंगे। कहा जा रहा है, कि फिल्म के डायरेक्टर आदित्य चोपड़ा, शाहरुख से जमकर एक्शन सीन करवाने वाले हैं। एक सोर्स के अनुसार,'पहला शेड्यूल दो महीने का होगा जो पूरी तरह से शाहरुख पर बेस्ड होगा। जिसके बाद अगले साल फिल्म के दूसरे कलाकारों के साथ शूट शुरू किया जायेगा। एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और एक्टर जॉन अब्राहम, जनवरी 2021 से शूट में शामिल होने वाले हैं। यह फिल्म सिद्धार्थ की पिछली फिल्म 'वॉर' की तरह ही स्टाइलिश रिवेंज ड्रामा होने वाली है। शाहरुख और जॉन के पहली ऑन-स्क्रीन यूनियन के चलते, आदित्य और सिद्धार्थ इस फिल्म को पूरा ड्रामेटिक बनाने वाले हैं। उन्होंने 'वॉर', 'ब्रह्मास्त्र' और 'बेल बॉटम' जैसी फिल्मों को पर काम कर चुके एक्शन डायरेक्टर परवेज शेख, इन दोनों के बीच हाई-ऑक्टेन फाइट सीक्वेंस डिजाइन करने वाले हैं।'

महेश भट्ट को लवीना ने बताया इंडस्ट्री का डॉन, डायरेक्टर करेंगे एक्ट्रेस के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

एक्ट्रेस लवीना लोध ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट पर महेश भट्ट पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। लवीना ने महेश भट्ट को इंडस्ट्री का डॉन बताते हुए उन पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। लवीना के आरोपों के बाद महेश भट्ट के वकील ने स्टेटमेंट जारी कर इन सभी आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि वह एक्ट्रेस के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

वकील ने कहा, 'हम आरोपों का खंडन करते हैं। इस तरह के आरोप न केवल झूठे और अपमानजनक हैं बल्कि कानून मे इसके गंभीर परिणाम हैं। हमारे क्लाइंट कानूनी सलाह के अनुसार कार्रवाई करेंगे।'

लवीना ने क्या कहा

लवीना ने कहा, 'मैं महेश भट्ट के भांजे सुमित सभरवाल की पत्नी हूं। मैंने उनके खिलाफ तलाक का मामला दर्ज किया है क्योंकि मुझे पता चला कि वह ड्रग्स और लड़कियां सप्लाई करते हैं। इन सभी बातों की जानकारी महेश भट्ट को है। महेश भट्ट इस इंडस्ट्री के डॉन हैं। वहीं इस सिस्टम को चला रहे हैं। अगर आप उनकी तरह नहीं चलते तो वह आपका जीना हराम कर देते हैं।'

लवीना ने आगे कहा, 'जब से मैंने उनके खिलाफ केस दर्ज किया है, वह मेरे घर में घुसने की कोशिश कर रहे हैं और मुझे घर से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। जब मैं पुलिस स्टेशन एनसी लिखाने जाती हूं तो कोई मेरी एनसी नहीं लेता है और अगर एनसी लिख भी देती हूं तो उस पर कोई ऐक्शन नहीं होता है।'

इसके बाद आखिर में लवीना ने कहा, 'अगर कल कोई हादसा मेरे साथ या मेरी फैमिली के साथ होता है तो उसके लिए महेश भट्ट, मुकेश भट्ट, सुमित सभरवाल, साहिल सहगल और कुमकुम सहगल जिम्मेदार होंगे। लोगों को पता तो चलना चाहिए कि बंद दरवाजों के पीछे क्या कर सकते हैं क्योंकि महेश भट्ट बहुत शक्तिशाली और प्रभावशाली हैं।'

कंगना रनौत ने आमिर खान पर साधा निशाना, कहा- असहिष्णुता गैंग ने कितने कष्ट सहे हैं?

कंगना रनौत अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद से सोशल मीडिया पर लगातार कई ट्वीट कर रही हैं। अब हाल ही में कंगना ने एक ट्वीट के जरिए आमिर खान को भी टारगेट करने की कोशिश की है। कंगना ने ट्वीट किया, जैसे रानी लक्ष्मीबाई का किला तोड़ा था, मेरा घर तोड़ा गया। जैसे सावरकर जी को विद्रोह के लिए जेल में डाला गया था, मुझे भी जेल में भेजने की पूरी कोशिश की जा रही है। असहिष्णुता गैंग से जाकर कोई पूछे कितने कष्ट सहे हैं उन्होंने इस इन्टॉलरैंट देश में?'

कंगना ने इस ट्वीट में आमिर खान को टैग किया है।

जैसे रानी लक्ष्मीबाई का क़िला तोड़ा था मेरा घर तोड़ दिया, जैसे सावरकर जी को विद्रोह केलिए जेल में डाला गया था मुझे भी जेल भेजने की पूरी कोशिश की जा रही है, इंटॉलरन्स गँग से जाके कोई पूछे कितने कष्ट सहे हैं उन्होंने ने इस इंटॉलरंट देश में? @aamir_khan

इससे पहले कंगना ने लिखा था, पप्पू सेना कर रही इंतजार

शिकायत दर्ज होने के बाद कंगना ने ट्वीट किया था, 'नवरात्रि में कौन-कौन व्रत रख रहा है। यह फोटो आज के सेलिब्रेशन की है। मैंने भी व्रत रखा है। इस बीच मेरे खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज की गई है। लगता है महाराष्ट्र की पप्पू सेना को मेरी बहुत याद आ रही है। मुझे इतना मत याद करो। मैं वहां जल्द आ रही हूं।'

बता दें कि कंगना और उनकी बहन रंगोली के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 295(a) 153 (a) और 124(a) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। बांद्रा कोर्ट ने कास्टिंग डायरेक्टर साहिल अशरफ सय्यद की शिकायत के बाद कंगना और उनकी बहन के खिलाफ FIR दर्ज करने के आदेश दिए थे।

जो प्राप्त है, सो पर्याप्त है -पूज्य मोरारी बापू

मानस जगदंबा

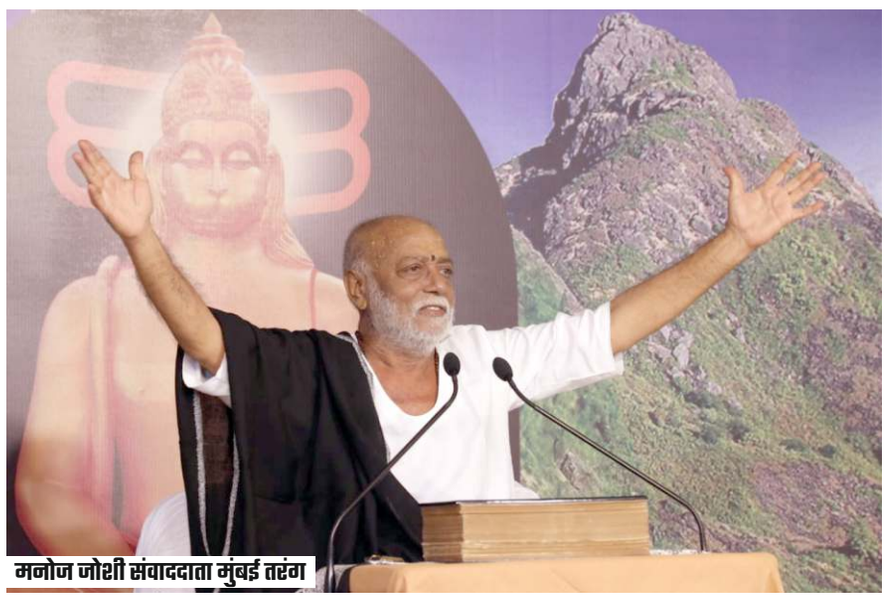

मनोज जोशी संवाददाता मुंबई तरंग

(तीसरा दिन)

मानस जगदंबा के आज के तीसरे दिन की कथा के आरंभ में, अपनी कथा यात्रा में पहली बार पूज्य मोरारी बापू ने व्यास गादी पर से उतर कर गरबा का गान और नृत्य किया। इससे पूर्व कई बार बापू कहते रहते थे कि - "मुझे ऐसा लगता है कि कभी न कभी मैं व्यास पर पीठ पर से उतर कर ठुमका लगा लूंगा।"

आज गिरनार के गुरु शिखर पर भगवान दत्तात्रेय के चरणों में स्थित कमंडल कुंड पर अस्तित्व की अपार कृपा से हर्षित हुए मुरारी बापू ने कथा- गान दरमियां व्यास पीठ पर से नीचे उतर कर गुजराती गरबा के साथ ठुमका लगा लिया।

अश्रुपूर्ण नेत्रों से बापू ने नवरात्र में माताजी को वंदन कर के कहा कि

" हे मा! हम यहां तक आए, और बिना कुछ अनुभव किए ही वापस चले जाएं, तो ऐसा जीवन धूल बराबर है।"

आज की कथा में श्रोताओं ने एक सहज, सरल, सत्वशील, साधु पुरुष के आंतरिक वैभव के दर्शन किए। रास के माध्यम से 'डांसिंग कथा' कहते हुए बापू, मानो भाव समाधि में डूब गए! प्रकृति की गोद में प्रकृति का बालक खेलता हो ऐसी निर्मल प्रसन्नता से अस्तित्व हि अस्तित्व के सामने नर्तन कर रहा था। श्रोताओं को अनुभव हुआ कि कभी बापूमें नरसिंह मेहता का भाव प्रकट हो रहा था, कभी गिरनारी साधुबाबा का स्वरूप प्रगट होता था, कभी शरद पूनम की रात में वृंदावन में कृष्ण के संग रास ले रही गोपी का दर्शन होता था, कभी प्रकृति माता की गोद में खेलते बाल गोपाल का दर्शन होता था, तो कभी युगो से समाधिष्ठ अवधूत मानो परम तत्व की प्राप्ति की प्रसन्नता दिखा रहा था।

रास- गरबा- गरबी- पद- कीर्तन- भक्ति गीत- फिल्मी गीत- दोहा- छंद- चौपाई- लोकगीत- भजन- भवाई- गीत, ऐसे गीत-संगीत के वैविध्य के साथ मोरारी बापू द्वारा हो रही कथा देख और सुन कर समष्टि ने भी परम आनंद प्राप्त किया होगा!

'मानस जगदंबा' के आज के चिंतन में प्रवेश करते हुए बापू ने कहा कि

"हमारे साहित्य ग्रंथों में सोलह श्रृंगार का वर्णन है। बालिका, कन्याकुमारी, युवती, पत्नी, माता, सौभाग्यवती एवं विधवा स्वरूप मातृ शरीर के सोलह शृंगार का साहित्य में दर्शन है और शास्त्रों में भी वर्णन है। क्योंकि हमारे ऋषिओं की नाभि में वैराग्य है, लेकिन नासिका श्रृंगार को देखकर सीकूडती नहीं है!"

अपनी युवावस्था में करी हुई गिरनार-यात्रा का स्मरण करते हुए बापू ने परब की वाव के साधु सेवादास बापू को याद किया।उस वक्त सेवादास बापू ने कहा था कि साधु अपने सामने खड़ी कोई भी स्त्री में स्त्री नहीं बल्कि दीवाल दिखाई दे तब समझना कि वैराग्य पक चूका है।

एक दिन एक युवान, महात्मा के पास दीक्षा लेना चाहता है। महात्मा उसे कोबीज छीनने का काम देते है। ३० दिन तक वह यह काम करता है। लेकिन इकत्तीसवें दिन महात्मा को पूछता है कि "मैं इतने दिनों से कोबीज के पत्ते निकाल रहा हूं, लेकिन बीज नहीं दिखाई देता! तब महात्मा कहते हैं कि "बीज ढूंढना- हमारा मूल क्या है यह समझना ही सच्ची साधना है।गुरु कृपा से खुद के मूल को ढूंढना यही अध्यात्म है- यही विज्ञान है।"

जगदंबा के सोलह सिंगार की बात करते हुए पूज्य बापू ने कहा कि मातृ शरीर के प्रत्येक स्वरूप कि हमारे शास्त्रों ने पूजा कि है। साहित्य और शास्त्रों के हिसाब से मातृदेह के सोलह श्रृंगार है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ और प्रथम श्रृंगार शील है।

परमात्मा की कृपा से हमको जो सामर्थ्य मिला है, उसका अगर हम दुरुपयोग करते है तो यह पाताललोक है। और उसका यदि उपयोग करते है, तो मृत्युलोक है। लेकिन जब उसका सदुपयोग करते है, तो देवलोक है।

बापू ने कहा कि कथा करने में मुझे कभी थकान महसूस नहीं होती क्योंकि यही मेरी मौज है यही मेरा विश्राम है।

ब्रह्मा, विष्णु और महेश- माता अनसूया की परीक्षा लेने जाते है इस प्रसंग का संक्षेप में वर्णन करते हुए पूज्य बापू ने आज की कथा में अपनी वाणी को विराम दिया।

(चौथा दिन)

अनगिनत अनुभूत सिद्ध एवं अवधूत जिनके आश्रय में विश्रांति पाते है, ऐसे स्वयं जोगिंदर जैसे गिरनार के गुरु शिखर पर से "मानस-जगदंबा" के आज के चौथे दिन सबसे पहले पूज्य बापू ने सनातन धर्म संस्कृति को घर-घर एवं घट घट पहुंचाने वाले पूज्य पाद पांडुरंग दादा का पूण्य स्मरण किया।

बापू ने व्यास पीठ पर से सबसे पहले रुखड को याद किया था, तब अंबाजी की कथा में नवरात्र का चौथा दिन था। इस हिसाब से आज रुखड़की भी जन्म जयंती हुई! बापू ने पूरे विश्व को रूखड बावा के जन्मदिन की बधाई दी। यजमान श्री जयंती भाई का भी आज जन्मदिन है, उनको भी बापू ने बधाई दी।

बापू ने कहा- "जो निरंतर परिव्राजक है वह रुखड है।

अनुष्ठान के लिए एक जगह पर बैठना भी सनातन संस्कृति का स्थापित सत्य है। लेकिन फकीरी में तो 'चरैवेति' - चलते ही रहना है।पहुंचे हुए साधुओं को परिव्राजक ही रहना चाहिए। वैराग्य के प्रकट होने के बाद कहीं भी रुकना नहीं, और वैराग्य न प्रगट हो तब तक कहीं भागना नहीं।

कल की भाव दशा का मरण करते हुए बापू ने कहा-

"ऐसा लग रहा था, मानो अंबाजी की टूक गुरुदत्त के शिखर पर आ गई है! गोमुख की गंगा कमंडल कुंड में पहुंच गई है! श्री कृष्ण की रासलीलाअभी मानो दर्शन हुआ!

उपनिषद आत्मा को नर्तक कहता है। ओशो ने कभी कहा था कि कला की ओर कोई भी विधा में कला और कलाकार दोनों भीन्न होते है। लेकिन नृत्य एक ऐसी विधा है, जिसमें नृत्य और नर्तक दोनों एक ही होते है।

बापू ने कहा कि वैसे तो किसी का द्रोह न करना।लेकिन गुरु का द्रोह तो कभी भी न करना। जिसके दर्शन करने से कभी तृप्ति न हो, जिसको मिलने के बाद उससे बिछड़ने की इच्छा न हो और जिनके वचन सुनकर कभी तृप्ति न हो- ऐस कोई मिल जाए, तो समझना कि वही हमारा बुद्ध पुरुष है!

बुद्ध पुरुष सेवक के लिए कल्पतरू भी है और कामधेनु भी है।

महाभारत में लिखा है कि "यज्ञ कुंड में आहुति दो या ना दो- चिंता नहीं, लेकिन सबसे बड़ा अग्निहोत्र यह है कि आपके घर पर आए हुए अतिथि को रोटी खिलाओ।"

ब्रह्मलीन स्वामी शरणानंद जी के सूत्र का स्मरण करते हुए बापू ने कहा कि - "एकांत पाठशाला है और मौन उसका पाठ है।इस में आगे अपनी बात जोड़ते हुए पूज्य बापू ने विनीत भाव से कहा कि - स्मृतिर्लब्धा निष्कर्ष है।अधिकारी गुरु की कृपा से एकांत की पाठशाला में मौन के पाठ से जन्मो जन्म की स्मृति तादृश्य हो जाती है।

गुरु वैसे ही सबको दीक्षा नहीं दे देते। दीक्षा की भी अवश्य एक महिमा है। लेकिन पहुंचे हुए साधु दीक्षा नहीं दिशा देते है।और इससे भी आगे- बापू ने कहा कि न दीक्षा, न दीशा - बुद्ध पुरुष सीधे दर्शन ही करवा देते है।

कथा के चिंतन में आगे बढ़ते हुए बापू ने कहा कि परमात्मा और पराम्बा दोनों अपनी इच्छा से देह धारण करते हैं।भगवान को तो कोई इच्छा ही नहीं होती। लेकिन अपने भक्तों की इच्छा पूरी करने के लिए - अजन्मा होते हुए भी- परमात्मा जन्म लेते है। साधु के परित्राण के लिए परमात्मा प्रकट होते है। हमारी स्वतंत्रता क्षणिक होती है, नित्य नहीं होती। परमात्मा और बुद्ध पुरुष की स्वतंत्रता नित्य होती है।मस्त महापुरुष निजतंत्र स्वतंत्र होते है।

आश्रम में रहकर भी चोरी की बुराई नहीं छोड़ने वाले एक आश्रित को आश्रम से निकाल देने की शिष्यो की विनती का भी गुरु ने स्वीकार नहीं किया।उन्होंने कहा कि "जगत ने जिसको ठुकराया- अगर मैं भी उसको ठुकरा दूंगा, तो वह कहां जाएगा? जगत जिस को ठुकरा देता है, सद्गुरु ऐसे आश्रित का भी स्वीकार कर लेता है।

अवस्था भेद से मातृशरीर के अपने-

अपने श्रृंगार है। शास्त्रों में श्रृंगार की श्रंखला है।मां जगदंबा का सबसे बड़ा श्रृंगार शील है। मां में ऐसे सोलह शृंगार होते है।

धैर्यशीला, रूपशीला, गुण शीला, प्रेमशिला, धर्मशीला, विनयशीला, तपशिला, तेजशीला, उपकारशीला, बलशीला, सौम्यशीला, श्रृंगारशीला, कलाशीला, सत्यशीला एवं पूर्ण शीला।

नाम संकीर्तन के साथ पूज्य बापू ने आज की कथा में अपनी वाणी को विराम दिया।

(पांचवा दिन)

भगवान दत्तात्रेय प्रभु की छांव में कमंडल कुंड की भजन एवं भोजन की भूमि पर, भगवत् कृपा से आयोजित राम कथा के पांचवें दिन की कथा में प्रवेशते हुए पूज्य बापू ने कहा कि "मां जगदंबा के अपार और अनंत चरित्र को कौन पा सकता है?" पराम्बा का सबसे बड़ा शृंगार उसका शील है। भगवान राम माता सीता जी को अरण्यकांड में कहते है -

सुनहु प्रिया ब्रत रुचिर सुसीला।
मैं कछु करबि ललित नरलीला।।
तुम्ह पावक महुँ करहु निवासा।
जौ लगि करौं निसाचर नासा।।
छिति जल पावक गगन समीरा।
पंच रचित अति अधम सरीरा।।

माता सीता स्वयं जगदंबा है। मर्यादा लांघने से क्या परिणाम मिलता है, यह दर्शाने के लिए ही माता ने लक्ष्मण-रेखा का उल्लंघन किया था-

ताकि इस घटना से प्रेरणा पाकर, विश्व की कोई भी नारी संस्कृति की मर्यादा का उल्लंघन न करें।

बापू ने कहा कि रामचरित् मानस हिस्ट्री नहीं है मिस्ट्री है, जिस में अपार रहस्य भरें हुए हैं। रावण ने सन्यासी का रूप लेकर सीता जी का हरण किया है, मतलब यह कि जगत में फिर कोई सन्यासी का भी यकीन न करें- ऐसा सोच कर कि सन्यासी भी ऐसा कर सकता है!

रावण युद्ध के लिए कुंभकर्ण को जगाने जाता है, इस घटना का विशिष्ट अर्थ करते हुए बापू ने कहा कि - "रावण ने सब को मोह निद्रा से जगा जगा के राम के पास भेजा है।"

रावण कहता है कि - "मां जानकी कल्याणी है। इस तरह से मैंने पूरे राक्षस कुल के कल्याण का वरण किया है, अपहरण नहीं किया!"

मां जानकी के अपहरण की बात सुनकर रावण को सत्य समजाने की समझ दिखाने वाले कुंभकरण की सुबुद्धि मदिरा का पान के बाद दुर्बुद्धि में परिवर्तित हो जाती है और अभश्य के भक्षण के बाद उसके विचार बदल जाते है।

माता जानकी अग्नि में प्रविष्ट होती है और उसकी छाया का हरण होता है, इस घटना का रहस्य समझाते हुए बापू ने कहा कि "अग्निमें प्रवेश करनेवाले तो जल जाते है। जैसे सती योगाग्नि में जल गई। शबरी और शरभंग भी योगाग्नि में भस्म हो गए। तो मां जानकी अग्नि में प्रविष्ट होने के बाद भी जली क्यों नहीं?

बापू ने कहा कि भगवान राम ने सीताजी को अग्नि में प्रवेश करने को नहीं, निवास करने को कहा था।

हमारा शरीर पंचतत्व का बना हुआ है।

छिति जल पावक गगन समीरा।
पंच रचित अति अधम सरीरा।।

जिनका शरीर पांचों तत्वों में समा जाए कितना जिसका सामर्थ्य वह जगदंबा है।

सीता जी पृथ्वी में से प्रकट हुए हैं और पृथ्वी में ही समा गए हैं। हम पृथ्वी में से प्रगट नहीं होते, पृथ्वी पर प्रकट होते है। साधु समाधिस्थ होने के बाद पृथ्वी में समा जाते है। विश्व मंगल करके धरती में समा जाना यह माता जानकी की परंपरा है।

हम जैसे संसारी लोग, आखिर में अग्नि में समा जाते है। संन्यस्त की एक धारा में सन्यासी जल समाधि लेता है।

बापू ने कहा कि साधु तो अग्नि में ही बसता है। अखंड अग्नि की उपासना- अग्नि के साथ एकाकार होना- इसका नाम ही 'धूना' है। ऐसे साधु जानते है कि अग्नि में मेघधनुष के सातों रंग दिखाइ देते है। अग्नि के बदलते रंग को देखकर नाथ संप्रदाय के साधु समाज को सावधान करते रहते है।

मानस में माता जानकी पृथ्वी में से प्रकट होकर पृथ्वी में ही समा जाती है। भगवान राम की नरलीला संपन्न हो, तब तक मां अग्नि में रही हैं। हमारी सनातन धर्म परंपरा में पुरुष जब कमाई के लिए विदेश जाते थे, तब अपनी पत्नी को कुल-पुरोहित के घर छोड़कर जाते थे। और हमारे शास्त्रों में अग्नि प्रथम पुरोहित है। ईस लिए भगवान राम ने सीता जी को अग्नि को सौंपा।

रावण ने जिस का अपहरण किया था, वह तो माता का छाया-स्वरूप ही था।फिर भी रावण जब उसे आकाश मार्ग से ले जाता है, तब छाया में से भी मां ने अपना सत्व-तत्व आकाश में बिखेर दिया था। इस तरह से मां आकाश में समाई है।

- अशोक वाटिका में जब हनुमान जी सीता जी को कथा सुनाते है, तब वायु रूप हनुमान जी के कथन में राम रूपी आकाश के कथा गानमें मां समा रही है।

जगदंबा सीता जल में भी है, क्योंकि भगवान राम समुद्र के समान है और माता सीता नदी की तरह सदा के लिए राम में समाई है। हमारी सनातन धर्म संस्कृति की परंपरा में तीन महादेवी है। माता महालक्ष्मी, माता महाकाली और माता महासरस्वती। इन तीनों जगदंबा आकाश, अग्नि, जल, वायु और पृथ्वी में व्याप्त है।

माता महालक्ष्मी का तो जन्म ही समुद्र में से हुआ है। फिर भगवान विष्णु के पास जीवन पर जल में ही रहे है। तत्वत: सीता और राम एक ही है। जहां राम है वहीं सीता है।

अपना लीला कार्य पूर्ण करके भगवान राम सरयू नदी में जल समाधि लेते है। मतलब कि राम के साथ सीता जी भी जल में समा गई।

माता सरस्वती के संदर्भ में देखें तो हम

जब शब्द बोलते है, तब तक पृथ्वी पर शब्द विहार करता रहता है। और बोल देने के बाद शब्द आकाश में समा जाता है। सरस्वती का मतलब है- बानी। मधुर, मंद, शीतल बानी कोई बोलता है तो वह जल में समाई हुई सरस्वती है। ऐसी बानी जो आदमी का पतन कर दें - शिगरस्थ आदमी अगर कटु और अप्रिय बानी बोले तो- उसे नीचे गिरा दे, पाताल में धकेल दे। उस वक्त माता सरस्वती धरती में समा जाती है। कभी-कभी व्यक्ति नहीं बोलती, वातावरण बोलता है। वायु की लहर आए, तो ऐसा लगे कि मानो पवन पुत्र का संदेश आया! वायु रूप बानी में ताकत बहुत होती है। भरत जी ज्यादातर मौन रहते थे। लेकिन जब बोलते थे तो मानो पवन भी रुक जाती थी।

अग्नि जैसी बानी आग लगा देती है- जैसी कि मंथरा की बानी।

माता महाकाली, मां भवानी का स्वरूप है। भवानी दो बार अग्नि में समाई हैं - एक तो दक्ष कन्या के रूप में योग-अग्नि में, और दूसरा भगवान शंकर के विरह की अग्नि में। माता महाकाली पृथ्वी में भी समय है।क्योंकि मां भवानी जब व्यक्त होती है, तब रज-रज और कण-कण में छा जाती है।

भगवान शिव से ब्याहने के बाद भगवान के साथ भवानी ने विमान में आकाश मार्ग में भी विहार किया है इसलिए मां काली आकाश में भी समाविष्ट है।

दशावतार में वराह अवतार के समय पृथ्वी को समुंदर में से बाहर निकालने वाली शक्ति माता महाकाली है। इससे माता जल में भी है। किष्किंधा कांड में हनुमानजी बटु रूप से राम- लक्ष्मण का परिचय पाने के लिए पांच प्रश्न पूछते है। हनुमान जी के पांच मुख है, इसलिए वह पांच प्रश्न पूछते है।

दूसरे संदर्भ में देखें तो भगवान शिव सिंधु रूप है और माता भवानी शिव के अर्धांग में विराजमान है, इस तरह माता जल में समाविष्ट है। रावण ने पाताल में माता जी की मूर्ति की पूजा की थी। फिर हनुमान जी साक्षात् मां बनकर वहां पहुंचे थे।ऐसे माता महाकाली पृथ्वीतत्व में भी है। ब्रह्मांड का सर्जन, पालन और लय करने वाली माता महाकाली सांसों के रूप में हमारा पालन करती है। इस तरह से वह वायु रूप में स्थित है।

गिरनार के परम पवित्र, प्राकृतिक परिवेश में, कथागान को मानो पूरा अस्तित्व सुन रहा है! बापू ने कहा की जड़ के साथ जड़ के संगम को लोकानंद कहते है। जड़के साथ चैतन्य के संबंध को ब्रह्मानंद कहते है। चैतन्य के साथ चैतन्य के संबंध को परमानंद कहते है। कथा में चैतन्य का चैतन्य के साथ मिलन होता है। इस स्थान का धूना, दत्तात्रेय भगवान, मां अंबा - सब चैतन्य स्वरूप है। हमारी आत्मा भी चैतन्य है। रामचरित् मानस भी चैतन्य है। इसलिए यहां परम आनंद की अनुभूति हो रही है।

भगवान राम का व्यक्तित्व ऐसा है जिसने रघुकुल के बाहर के पात्रों के साथ भी संबंध बनाए है। जैसे कि जटायु को पिता माना। शबरी को माता मानी- और दोनों के देहावसान के बाद मुखाग्नि भी दी है। सुग्रीव और विभीषण को मित्र बनाये। हनुमान को भाई बनाया।

कथा के क्रम में आज, गिरनार की चोटी पर व्यास पीठ पर से ८४९वां रामजन्म बनाकर पूज्य बापू ने आज की कथा में अपनी वाणी को विराम दिया।

(छठा दिन)

गिरनार के गुरु शिखर पर चल रही "मानस जगदंबा" के आज के छठे दिन की कथा के प्रारंभ में पूज्य बापू ने कहा कि मानस में सात बार जगदंबा शब्द का प्रयोग तुलसीदासजी ने किया है।

'जगदंबा पद' की प्राप्ति किसको हो सकती है? इस की संवादी चर्चा करते हुए बापू ने बताया कि -

"पूष्प वाटिका में जानकीजी ने गौरी स्तुति की है उसी में इस प्रश्न का उत्तर है।

जय जय गिरिवर राज किसोरी।
जय महेस मुख चंद्र चकोरी।
जय गजबदन षडानन माता।
जग जननी दामिनी दुति गाता।।

जगदंबा का प्रथम लक्षण है- वह हिमालय की पुत्री है।

हिमालय जैसी अचल अटल और अखंड श्रद्धा जिसमें हो, वह जगदंबा है। स्थैर्य में से जिसका जन्म हुआ हो वही जगदंबा है।

गणेश एवं कार्तिकेय जैसे दो पुत्र को जन्म दिया हो, वह जगदंबा है।

गणेश यानी विवेक और कार्तिकेय मानी पुरुषार्थ! जिनकी श्रद्धा में से विवेक और पुरुषार्थ का प्राकट्य हो, वह नारी जगदंबा है।

जो श्रद्धा, विवेक सिखाती है और पुरुषार्थ का बोध देती हैवह जगदंबा है। जो निरंतर महेश याने की विश्वासमय है, वह जगदंबा है। चंद्र की ओर जैसे चकोरी दृष्टि रखे रहती है, उसी तरह मां भवानी शिव की और निरंतर- अखंड- अपलक देखे रहती है।

भव भव बिभव पराभावकारिनि। बिस्व बिमोहिनीस्वबसबिहारिनि।।

बापू ने कहा भी कोई भी सर्जन, रजोगुण के बिना नहीं हो सकता।किसी का भी पालन, सत्व गुण के बिना नहीं हो सकता। और अनावश्यक को मिटा देने की प्रक्रिया तमोगुण के बिना नहीं हो सकती।जगदंबा सबका सर्जन करती है, लेकिन उसमें रजोगुण नहीं है। वह सब का पालन-पोषण करती है, लेकिन उसमें सत्व गुण नहीं है। अनावश्यक को नष्ट कर देती है, फिर भी तमोगुण नहीं है। जगदंबा त्रिगुणातीत है। जगत का सर्जन, पालन और लय वह निज इच्छा से करती है। जगदंबा और जगदीश दोनों गुणातीत है।

अवधूत शिरोमणि भगवानदत्तात्रेय के साथ जुड़ी हुई श्रीमद् भागवत जी की कथा का जिक्र करते हुए बापू ने गुरुदत्त के २४ शिक्षा-गुरुओं की -संक्षेप में - संवादी चर्चा की। भागवत् कथा के हिसाब से भगवान गुरुदत्त को यदु पूछते है कि - "आप की मस्ती का कारण क्या है?"

दत्त भगवान प्रत्युत्तर देते है कि -

"हे राजन! मेरी मस्ती मेरे शिक्षा-गुरुओं की कृपा के कारण है।"

बापू ने कहा कि शिक्षा सबसे पानी है लेकिन दीक्षा केवल एक से लेनी है।

भगवान दत्त का प्रथम गुरु पृथ्वी है - जो धैर्य और स्थैर्य की सीख देती है।आकाश अलिप्त रहने की दीक्षा देता है। जल के पास से प्रवाहिता, मधुरता और शीतलता का बोध मिलता है।अग्नि के पास से संतुष्टि का गुण मिलता है। चंद्र - वृद्धि या क्षय दोनों में- सम रहता है। वह तेज देता है , ताप नहीं! सूर्य के पास से अन्य को जीवन दान देने की दीक्षा मिलती है।अजगर के पास से भरोसा रखने की शिक्षा मिलती है। सागर के पास से मौज में रहने की, पतंगा के पास से रूपासक्त न होने की, मधुमक्खी से असंग्रह मृग से अनासक्ति, मछली से मौन, गणिका से खुशामद से सावधान रहने की, कुमारी कन्या से एकांत की शरकुट से एकाग्रता की, सर्प से भजन को गुप्त रखने की और मकड़ी से

अलिप्त रहने की सीख दत्तात्रेय भगवान ने पाई है।

कथा के क्रम में आज पूज्य बापू ने चारों कुमारों का नामकरण, भगवान राम की मधुर बाल-लीला का संक्षिप्त वर्णन, वर्श्वामित्र जी के साथ यज्ञ रक्षा के लिए वनगमन, ताड़का और सुबाहुका वध, अहल्या-उद्धार और अंत में विदेह राज जनक की नगरी में गुरु विश्वामित्र के साथ राम लक्ष्मण के आगमन तक की कथा को तलगाजरडी व्यासपीठ की दृष्टि से भावपूर्ण रूप से समझाते हुए पूज्य बापू ने आज की कथा में अपनी वाणी को विराम दिया।

(सांतवा दिन)

मानस जगदंबा के कथा के सातवें दिन के प्रारंभ में बापू ने बताया कि- "जगदंबा का पिता हिमालय है। मतलब जिसमें हिमालय जैसी धीरता स्थिरता एवं सहनशीलता हो, उसी के घर जगदंबा अवतरित होती है। जगदंबा की माता मयना- मैना- है। "मै ना" मतलब जिस में मैं ना हो ऐसी निरंहकारी मां की कोख से जगदंबा का प्राकट्य होता है।

श्रीमद् भगवत गीता की महिमा अपार है। लेकिन रामायण में कई गीता है।जहां-जहां मानस के श्रेष्ठ पात्रों ने 'सर्वभूत हिताय' उपदेश दिया है, उस संवाद को तलगाजरडी व्यासपीठ गीता कहती है। इस हिसाब से मानस में राम गीता, लक्ष्मण गीता, हनुमान गीता, त्रिजटा गीता.... आदि है।

बापू ने कहा कि लोकाभिरामम् रणरंगिधरम् श्लोकमें राम का ही नहीं हनुमान जी का भी दर्शन छिपा है। हनुमान जी 'लोकाभिराम' है- लोकनायक है। इसलिए तो घर-घर में हनुमान चालीसा का गना होता है।लंका के युद्ध में हनुमानजी 'रण रंग धीर' दिखाई देते है। हनुमानजी के नेत्र भी राजीव नयन है। शिव जी के अवतार होने के नाते वह कारुण्य रूप है और सदैव करुणा करते है।'रामचंद्र' शब्द 'रामदूत' का पर्याय है।

बापू ने कहा कि सच्चे हृदय से की हुई प्रतीक्षा अवश्य ही सफल होती है।* हमें बस, प्रतीक्षा करनी है। प्रतीक्षा कब और कैसे पूरी होगी, इसका निर्णय परमात्मा करेगा।परमात्मा के ऊपर कभी दबाव मत डालना।

किष्किंधा कांड में भगवान राम लक्ष्मणजी को' वर्षा गीता' सुनाते है।रामजी कहते है कि वर्षा की धारा को पर्वत ऐसे सहेता है जैसे दुर्जन के शब्द साधु सहेता है।

साधु पर्वत की तरह धीर, स्थिर और सहनशील होता है।

शेष अगले अंक में.....

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।